हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 149, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 29 नवम्बर, 2023 दिन बुधवार गाजीपुर/वाराणसी

स्वस्थ चर्चा के लिए हम पूरी तरह से तैयार, हर सवाल का देंगे जवाब

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन शुरू होने से पहले कहा

लखनऊ। प्रदेश के समग्र विकास, लोककल्याण, जनहित से जुड़े मुद्दे एवं जनसमस्याओं के समाधान के लिए हम विधानमंडल की कार्यवाही में चर्चा-परिचर्चा के लिए तैयार हैं। इसके लिए सभी दलों के सदस्यों से सार्थक चर्चा के लिए आह्वान किया गया है। साथ ही सरकार सभी दलों के सदस्यों के उनके सवालों के जवाब देने के लिए पूरी तरह से तत्पर है। सरकार डेवलपमेंट एवं उत्तर प्रदेश से जुड़े सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए पूरी तरह से तैयार है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधानभवन के गेट नं. 8 के पोर्टिको पर विधानसभा के शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले मीडिया बंधुओं से बातचीत के दौरान कहीं। इस दौरान संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह समेत कई मंत्री मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीडिया बंधुओं से बातचीत के दौरान कहा कि सदन आम जनमानस से जुड़ी समस्याओं को रखने एवं इस ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करने का महत्वपूर्ण मंच है। मुझे पूरा विश्वास है कि

सभी सदस्य आम जनमानस की भावनाओं को ध्यान में रख करके सदन को स्वस्थ चर्चा-परिचर्चा का केंद्र बनाएंगे। साथ ही सार्थक चर्चा के माध्यम से विधायिका को और पुष्ट करने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि इस सत्र में अनुपूरक बजट के साथ विधायिका के लंबित कार्य पूरे होंगे। पिछले साढ़े छह वर्षों में विधान मंडल ने गरिमापूर्ण तरीके से संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली को पुष्ट करते हुए महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा-परिचर्चा को आगे बढ़ाने में नई सफलता प्राप्त की है, जो लोकतंत्र की सच्ची भावनाओं के प्रतिनिधित्व को दर्शाता है। यह लोगों के बीच कौतुहल और आश्चर्य का विषय बना हुआ है। मेरी विशेष रूप से विपक्षी दलों के सदस्यों से अपील है कि पूरे देश के अंदर सदन में गरिमापूर्ण तरीके से चल रही परिचर्चा को बनाए रखने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष की भी है। ऐसे में हम सदन की गरिमा को बनाए रखने में अपना योगदान दें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार जनहित, डेवलपमेंट, लोककल्याण एवं प्रदेश से जुड़े अन्य सभी मुद्दों पर चर्चा परिचर्चा को तैयार है। विपक्ष के हर प्रश्न का जवाब देने के लिए सरकार तैयार है। हम पूरी तैयारी के साथ सदन में मौजूद रहेंगे। सीएम योगी ने कहा कि विधानमंडल की इस कार्यवाही के पहले दिन के अवसर पर सभी सदस्यों का हृदय से स्वागत करता हूं और विश्वास करता हूं कि आम जनमानस की भावनाओं के अनुरूप सभी सदस्य सदन पर अपनी बात को प्रभावी ढंग से रखेंगे।

घने कोहरे में डूबा यूपी, विजिबिलिटी हुई बेहद कम

लखनऊ। मंगलवार की सुबह अवध क्षेत्र सहित पूरा यूपी घने कोहरे की चादर में लिपटा नजर आया। देर रात से शुरू हुआ कोहरा सुबह होने तक और घना हो गया। विजिबिलिटी कम होने से ट्रेन और सड़क दोनों की रफ्तार पर इसका असर पड़ा। घने कोहरे के साथ-साथ ठिठुरन भी बढ़ गई। एक दिन पहले तक गुलाबी ठंड का एहसास देने वाले मौसम ने एकदम से सर्दी का अहसास कराया। राजधानी लखनऊ सहित आसपास सटे जिलों रायबरेली, बाराबंकी, सीतापुर, सुल्तानपुर, बहराइच के अलावा पश्चिमी यूपी के जिलों में भी कोहरे का असर देखने को मिला। लखनऊ आने वाली कुछ विमानों के कुछ देर से लैंड करने की संभावना जताई गई है। साथ ही इसका असर ट्रेनों की रफ्तार पर भी पड़ा। सड़क पर लोग वाहनों की लाइट जलाकर निकले। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण प्रदेश का मौसम बदल गया है। इसके कारण प्रदेश के अधिकतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने के आसार हैं। अनुमान है कि पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर हो कर आगे बढ़ने के बाद बादल के छंटने के कारण मौसम शुष्क होगा और पछुआ हवा चलने के आसार हैं।

सपा नेताओं ने नई नियमावली का किया विरोध, काले कपड़े पहनकर पहुंचे

लखनऊ। यूपी विधानमंडल का चार दिवसीय सत्र आज मंगलवार से शुरू हो गया है। सत्र के पहले दिन नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के दिवंगत नेता आशुतोष टंडन को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उनके निधन से हम सभी दुखी हैं। हम उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। सत्र में सत्ता पक्ष ने विपक्ष को हर मुद्दे पर जवाब देने की रणनीति बनाई है तो विपक्ष ने भी सरकार को घेरने की पूरी तैयारी कर ली है। सत्र प्रारंभ होने से पहले लोकभवन में भाजपा विधानमंडल दल की बैठक हुई। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विधायकों को सदन में उपस्थित रहने और सकारात्मक चर्चा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष के आरोपों का तथ्यात्मक जवाब दें। बैठक में भाजपा के सहयोगी दलों के विधायक भी मौजूद रहे। विधानसभा का शीतकालीन सत्र नई नियमावली के साथ शुरू हो रहा है। सपा विधायकों ने इसका विरोध किया है और सदन में काले कपड़े पहनकर पहुंचे। इसके साथ ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर सरकार की नाकामियां गिनाते हुए कहा कि यूपी सरकार बिजली,

पानी और सड़क के मोर्चे पर पूरी तरह असफल साबित हुई है। सरकार खेती, किसानी और कानून व्यवस्था के मुद्दे पर भी नाकाम हुई है। सरकार सदन चलाने से भागती है और संवाद नहीं करना चाहती है।

उप मुख्यमंत्री हुए नाराज, बोले- शोक के प्रस्ताव के दिन काले कपड़े पहनकर पहुंचे- उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि समाजवादी पार्टी के विधायकों ने शोक प्रस्ताव के दिन काले कपड़े पहन कर घृणित कार्य किया है। प्रदेश की जनता इन्हें कभी माफ नहीं करेगी। इनके कुकृत्यों को प्रदेश की जनता अच्छी तरह समझ चुकी है। सपा के डीएनए में गड़बड़ी और अराजकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि आज से विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है। मैं सभी विपक्षी दलों से अपील करता हूं कि सदन की गरिमा बनाए रखें। सरकार जनता के हित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। सरकार विपक्ष के सभी सवालों का जवाब देने के लिए तैयार है।

अखिलेश यादव बोले, सवालों से बचना चाहती है सरकार इसलिए सिर्फ चार दिनों का सत्र रखा- सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्र के पहले दिन मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि शीतकालीन सत्र की अवधि सिर्फ चार दिनों के लिए रखी गई है। इसका कारण है कि सरकार विपक्ष के सवालों से बचना चाहती है। विपक्ष का सामना नहीं करना चाहती है इसलिए सत्र की अवधि इतनी कम रखी गई है। वहीं, भाजपा नेता सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि विपक्ष के लोगों को जनता ने सदन में चर्चा के लिए भेजा है लेकिन वो यहां प्रदर्शनकारी बनते हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग में गिरफ्तार सेंथिल बालाजी को सुप्रीम कोर्ट से झटका, जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की डीएमके सरकार में मंत्री रहे सेंथिल बालाजी को एक बार फिर झटका लगा है। हाईकोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी जमानत याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। गौरतलब है, शीर्ष अदालत मद्रास उच्च न्यायालय के एक आदेश के खिलाफ दायर बालाजी की अपील पर सुनवाई कर रही थी। हाईकोर्ट ने करीब एक महीने पहले, बीते 19 अक्तूबर को बालाजी की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उच्च न्यायालय का मानना है कि जमानत मिलने पर वह गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। जमानत की अपील पर संक्षिप्त सुनवाई के दौरान 20 नवंबर को उच्चतम न्यायालय ने बालाजी के वकील को नवीनतम मेडिकल रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था। साथ ही सुनवाई के लिए आज यानी 28 नवंबर की तारीख तय की थी। तमिलनाडु वाले मामले में सुप्रीम कोर्ट में दायर अपील पर न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति एससी शर्मा की पीठ में सुनवाई हुई। पीठ ने स्वास्थ्य रिपोर्ट पर गौर करने के बाद कहा कि बालाजी का स्वास्थ्य ठीक है, कुछ गंभीर नहीं है। साथ ही उन्हें नियमित जमानत के लिए निचली अदालत का दरवाजा खटखटाने की छूट दी। पीठ ने कहा कि अंतरिम आदेश में की गई कोई भी टिप्पणी

नियमित जमानत याचिका दायर करने में याचिकाकर्ता के आड़े नहीं आएगी। बता दें कि सेंथिल बालाजी को करीब पांच महीने पहले गिरफ्तार किया था। बीते 14 जून को ईडी ने नौकरी के बदले नकदी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बालाजी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के समय खूब ड्रामा भी हुआ था। बालाजी के रोने की तस्वीरें भी वायरल हुई थीं। गिरफ्तारी के बाद ईडी की गिरफ्त में ही उनका इलाज भी कराया गया। बालाजी पूर्ववर्ती अन्नाद्रमुक शासन के दौरान परिवहन मंत्री भी रह चुके थे। आज सुप्रीम कोर्ट में कुछ अन्य देशों के न्यायाधीशों को उपस्थित देखा गया। दरअसल, आइवरी कोस्ट, दक्षिण सूडान, कैमरून, बोत्सवाना और घाना सहित कुछ अन्य देशों के न्यायाधीश आज अदालत की कार्यवाही में भाग लेने के लिए सुप्रीम कोर्ट में मौजूद थे। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने सुप्रीम कोर्ट में विदेशी कोर्ट के जजों का स्वागत किया। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के एक आदेश पर महाराष्ट्र सरकार की याचिका पर रोक लगा दी है। शीर्ष अदालत ने उस आदेश पर रोक लगाई है, जिसमें महाराष्ट्र सरकार को ठोस और तरल कचरे के अनुचित प्रबंधन के लिए पर्यावरण मुआवजे के रूप में 12,000 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था।

भारत को मिलने वाले प्रीडेटर ड्रोन्स में लगी हो सकती है फ्रांस की खतरनाक मिसाइल

बोरेस। भारत को मिलने वाले एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन्स में फ्रांस की खतरनाक मिसाइल ब्राइमस्टोन को लगाया जा सकता है। इस पर विचार किया जा रहा है। यूरोपीय रक्षा कंपनी एमबीडीए का कहना है कि वह अपनी मिसाइल ब्राइमस्टोन को भारत को मिलने वाले एमक्यू-9बी प्रीडेटर सशस्त्र ड्रोन पर एकीकृत करने की संभावना पर विचार करने के लिए तैयार है। एमबीडीए की ब्राइमस्टोन मिसाइल की लंबाई करीब दो मीटर है। इसमें आधुनिक एयरफ्रेम और अपडेटेट सॉफ्टवेयर लगाया गया है। इसे मिलिस्ट्री व्हिकल से लेकर हवा तक से लॉन्च किया जा सकता है। जमीन से लॉन्च करने पर इसकी मारक रेंज 13 किलोमीटर तक है। इस दायरे में आने वाले दुश्मन को तबाह कर देती है। अगर एयरक्राफ्ट से इसे फायर किया जाएगा तो इसकी रेंज 60 किलोमीटर तक होगी। अगर हेलिकॉप्टर से इसको दुश्मन पर छोड़ा जाएगा तो ये 40 किलोमीटर के दायरे में अचूक निशाना लगाएगी। सशस्त्र बलों के निगरानी तंत्र को मजबूत करने के लिए भारत का

रक्षा मंत्रालय अमेरिका से तीन अरब डॉलर में 31 प्रीडेटर (एमक्यू-9बी सीगार्डियन) ड्रोन खरीद रहा है। यह सौदा प्रक्रिया में है। एमबीडीए के अधिकारियों ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'हम भारत द्वारा खरीदे जा रहे एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन पर ब्राइमस्टोन मिसाइलों के एकीकरण के किसी भी प्रस्ताव पर विचार करने के लिए तैयार हैं।' ब्रिटेन ने पहले ही रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) के एमक्यू-9 बी ड्रोन के बेड़े में ब्राइमस्टोन मिसाइलों को लोड करने का फैसला किया है ताकि उनकी क्षमताओं को बढ़ाया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि मिसाइल को अफगानिस्तान और लीबिया में तैनात किया गया था और यह सर्जिकल स्ट्राइक करने की अपनी क्षमता के लिए काफी पसंद किया गया।

मुजफ्फरनगर में छात्राओं ने बुर्के में किया कैटवॉक... विरोध में जमीयत उलमा, जताई नाराजगी

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर के श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज में फैशन स्पलैश 2023 के अंतिम दिन बुर्के में रैंप पर छात्राओं से कराए गए कैटवॉक पर जमीयत उलमा ने नाराजगी जताई है। संगठन का कहना है कि यह बेहद निंदनीय है। बच्चों को शिक्षा के बजाय गलत चीजों में उलझाया जा रहा है। बुर्का किसी फैशन शो का हिस्सा नहीं हो सकता। इस तरह के लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। रविवार देर रात तक कार्यक्रम हुआ। बॉलीवुड अभिनेत्री मंदाकिनी और टीवी कलाकार राधिका गौतम ने छात्राओं का कैटवॉक और उनके बनाए परिधानों का अवलोकन किया। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की थीम पर फैशन डिजाइनिंग की 13 छात्राओं ने रैंप पर बुर्के में कैटवॉक किया था। सोमवार को जमीयत उलमा के जिला कन्वीनर मौलाना मुकर्रम काजमी ने इस पर कड़ा एतराज जताते हुए शिक्षा व्यवस्था पर सवाल

खड़े किए। उनका कहना है कि बुर्के में कैटवॉक मुस्लिमों की भावनाओं को भड़काने वाला है। भविष्य में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित नहीं कराए जाने चाहिए। बुर्का किसी फैशन शो का हिस्सा नहीं है, बल्कि बुर्का मुसलमानों में पर्दों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। सहारनपुर के देवबंद से पहुंची छात्रा अलीना ने कहा कि हमने यह दिखाने की कोशिश की है कि बुर्का फैशन में भी शामिल हो सकता है। सिर्फ नए फैशन के कपड़े पहनना ही जरूरी नहीं है। पहले छोटे कपड़े तैयार किए जा रहे थे, लेकिन हमने फैशन में बुर्के को शामिल कर रचनात्मकता दिखाई है। हम फैशन डिजाइनिंग की छात्रा हैं और हमारा अनुभव अच्छा रहा है। श्रीराम कॉलेज के ललित कला विभाग के निदेशक डॉ. मनोज धीमान का कहना है कि हिजाब को फैशन से जोड़कर दिखाया गया है। लड़कियां आगे बढ़ रही हैं। शिक्षा में किसी धर्म को नहीं जोड़ा जा सकता। लड़कियों को पढ़ना चाहिए। लड़कियों ने हिजाब को लेकर मेहनत की और अपनी बेहतर प्रस्तुति दी।

ममता पर वार, रिश्ते तार-तार : स्वादिष्ट खाना नहीं दिया तो हैवान बना बेटा, दरांती से हमला कर मां की हत्या की

ठाणे। महाराष्ट्र में मानवता की सारी हदें पार करने वाली खबर सामने आई हैं। ठाणे में एक शख्स ने अपनी 55 वर्षीय मां की कथित तौर पर हत्या कर दी। हत्या करने की वजह जानकर आप के पैरों से जमीन खिसक जाएगी। दरअसल, बताया जा रहा है कि स्वादिष्ट खाना नहीं देने पर दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना रविवार शाम मुरबाद तालुका के वेलु गांव की है। महिला और उसके बेटे के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। इसी क्रम में, रविवार को शख्स ने अपनी मां से शिकायत की कि वह उसे स्वादिष्ठ खाना नहीं खिलाती है। फिर दोनों के बीच झगड़ा होने लगा। व्यक्ति को गुस्सा आ गया और उसने अपनी मां की गर्दन पर दरांती से कथित तौर पर हमला कर दिया। हमले से महिला की मौत हो गई। पड़ोस के कुछ लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। सूचना पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया। बताया जा रहा है कि घटना के बाद आरोपी ने नींद की बहुत सारी गोलियां ले ली थीं। रिश्तेदारों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया था और उसे अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। हालांकि, उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

इतनी छोटी सोच नहीं होनी चाहिए, पाक के कलाकारों को भारत में बैन करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली। बॉम्बे हाईकोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी पाकिस्तान के कलाकारों को प्रतिबंधित करने की मांग खारिज कर दी है। अदालत में दायर याचिका में अपील की गई थी कि पाकिस्तानी कलाकारों को भारत में प्रदर्शन या काम करने की अनुमति न दी जाए। कलाकारों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग करने वाली याचिका खारिज करते हुए अदालत ने फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता से कहा कि इतनी छोटी सोच नहीं रखनी चाहिए। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने फैज अनवर कुरैशी द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। पीठ ने कहा कि वह बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप नहीं करना चाहते हैं। जानकारी के अनुसार फैज अनवर कुरैशी एक सिने कार्यकर्ता और कलाकार होने का दावा करते हैं। अदालत ने कुरैशी से कहा कि आपको इस अपील पर बार-बार जोर नहीं देना चाहिए। आपको इतनी छोटी सोच नहीं रखनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता के खिलाफ हाईकोर्ट द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों को हटाने की दलील देने से भी इनकार कर दिया।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने की थी यह टिप्पणी-

इससे पहले, बॉम्बे हाईकोर्ट ने पाकिस्तान के कलाकारों को प्रतिबंधित करने की मांग खारिज कर दी थी। अदालत ने 'देशभक्ति' के इजहार पर भी अहम टिप्पणी की थी। हाईकोर्ट ने कहा था कि देशभक्त होने के लिए किसी को विदेश से, विशेषकर पड़ोसी देश से आए लोगों या कलाकारों के प्रति शत्रुतापूर्ण होने की जरूरत नहीं है।

किन लोगों पर प्रतिबंध की मांग- याचिका में केंद्र सरकार को यह निर्देश देने की मांग की गई थी कि किसी भी पाकिस्तानी कलाकार पर, भारतीय नागरिकों, कंपनियों, फर्मों और एसोसिएशनों में काम पर रखने, काम ऑफर करने, उनकी किसी भी सेवा को लेने या किसी भी एसोसिएशन में प्रवेश करने आदि पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया जाए। जिन लोगों पर प्रतिबंध की मांग की गई है, इनमें सिने कर्मी, गायक, संगीतकार, गीतकार और तकनीशियन शामिल हैं।

देशभक्त होने के लिए दुश्मनी जरूरी नहीं- बंबई की अदालत ने याचिका खारिज कर अपनी टिप्पणी में कहा था कि सांस्कृतिक सद्भाव, एकता और शांति को बढ़ावा देने की दिशा में उठाया गया कदम नहीं है। ये काफी पीछे की तरफ खींचने जैसी मांग है। याचिका में कोई योग्यता नहीं है। हाईकोर्ट ने कहा था कि किसी को यह समझना चाहिए कि देशभक्त होने के लिए, किसी को विदेश खासकर पड़ोसी देश के लोगों के प्रति शत्रुतापूर्ण होने की जरूरत नहीं है।

क्रिकेट वर्ल्डकप में पाक के खेलने का जिक्र- बॉम्बे हाईकोर्ट की खंडपीठ ने आदेश में कहा था कि कला, संगीत, खेल, संस्कृति, नृत्य आदि ऐसी गतिविधियां हैं जो राष्ट्रीयताओं, संस्कृतियों और राष्ट्रों से ऊपर उठती हैं। वास्तव में इनसे देशों के बीच शांति, एकता और सद्भाव बढ़ता है। कोर्ट ने आगे कहा था कि भारत में आयोजित होने वाले क्रिकेट विश्व कप 2023 में पाकिस्तान की क्रिकेट टीम हिस्सा ले रही है।

चीन के खिलाफ रणनीति बनाने में अहम भारतीय अमेरिकी सांसद कृष्णमूर्ति, 'फॉरेन पॉलिसी' मैगजीन ने लिखा लेख

वॉशिंगटन। भारतीय अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति पर प्रतिष्ठित मैगजीन फॉरेन पॉलिसी में एक लेख लिखा गया है। दरअसल राजा कृष्णमूर्ति (50 वर्षीय) चीन के खिलाफ अमेरिकी नीति बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। राजा कृष्णमूर्ति और माइक गैलघेर अमेरिकी संसद की सलेक्ट कमेटी के सदस्य हैं। यह समिति अमेरिका और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के बीच की प्रतिद्वंदिता पर नीति बनाती है। मैगजीन में कृष्णमूर्ति और गैलघेर दोनों पर संयुक्त रूप से लेख लिखा गया है। बता दें कि इस साल फरवरी में ही यह समिति गठित की गई थी। इस समिति का उद्देश्य है कि यह अमेरिका के आर्थिक, तकनीकी और सुरक्षा मामले में चीन से प्रतिद्वंदिता पर नजर रखती है और इससे संबंधित नीतियां बनाती है। अमेरिकी संसद की किसी समिति में बतौर रैंकिंग सदस्य या अध्यक्ष बनने वाले राजा कृष्णमूर्ति पहले दक्षिण एशियाई मूल के व्यक्ति हैं। मैग्जीन के लेख में लिखा गया है कि यह समिति चीन पर कांग्रेस की नीति का धड़कता हुआ दिल है। लेख में लिखा गया है कि यह समिति भविष्य के लिए जो नीतियां बनाएगी, उन्हीं पर अमेरिका आगे

बढ़ेगा। कृष्णमूर्ति ने सोशल मीडिया पर साझा किए एक पोस्ट में लिखा कि 'गैलघेर के साथ काम करने और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा पेश किए जाने वाली चुनौती से निपटने में आनंद आ रहा है। हम दोनों के सहयोग से काफी कुछ अच्छा होगा और मैं ये देखने के लिए उत्सुक हूं कि भविष्य में क्या क्या होगा।'

संपादकीय

संवाद और सावधानी

मणिपुर में अमन के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण रास्ता वहां हिंसा में शामिल समूहों को बातचीत की मेज पर लाना है। सरकार कहती तो रही है कि हिंसा फैलाने वाले समूहों से बातचीत कर समस्या का हल निकालने की कोशिश की जाएगी, मगर अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है। हालत यह है कि मई महीने में शुरू हुई हिंसा आज भी जारी है और समस्या का कोई सर्वमान्य हल नहीं निकाला जा सका है। हालांकि इस बीच प्रशासनिक सख्ती और सेना के इस्तेमाल से अराजकता पर नियंत्रण की कोशिश की गई, मगर उसमें भी कोई बड़ी कामयाबी नहीं मिली। अब राज्य के मुख्यमंत्री का कहना है कि उनकी सरकार इंफल घाटी के एक उग्रवादी समूह के साथ वार्ता कर रही है और जल्द ही शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। हालांकि जिस समूह से बातचीत के बारे में कहा गया है, फिलहाल उसका नाम नहीं बताया गया है। सवाल है कि अगर सरकार इस ओर कदम बढ़ाती दिख रही है तो क्या किसी एक उग्रवादी समूह से बातचीत के जरिए समस्या का हल निकाला जा सकेगा! गौरतलब है कि मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के प्रस्ताव से उठे विवाद के बाद जिस स्तर का विरोध शुरू हुआ था, उसने समूचे राज्य में व्यापक जातीय हिंसा की शक्ल ले ली। मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जानलेवा टकराव के दौरान अब तक लगभग दो सौ लोगों की जान जा चुकी है। इसमें सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी यही थी कि मैतेई समुदाय को अगर अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने को लेकर कोई विवाद है, तो वह उसे पक्ष-विपक्ष के संबंधित समुदायों के बीच संवाद के जरिए सुलझाए। मगर ऐसा लगता है कि इस मसले पर उठे टकराव के प्रति धुंध और उसके बाद उपजी अराजकता को लेकर उदासीनता बरती गई। नतीजतन, पिछले करीब सात महीने से मणिपुर में हिंसा जारी है और आज भी कुकी समुदाय के लोगों को निशाना बना कर हत्या की जाती है। जिस मसले का हल बातचीत से निकाला जा सकता था, उसके जटिल होने से नाहक हुई हिंसा में बहुत सारे लोग मारे गए, भारी पैमाने पर संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया। अब अगर सरकार ने शांति कायम करने के लिए वार्ता का संकेत दिया है तो उसमें सिर्फ एक उग्रवादी समूह से बातचीत का हासिल क्या होगा? यह छिपा नहीं है कि राज्य में मौजूदा हिंसक और अराजक हालात में कई गुट शामिल हैं और सबकी अपनी-अपनी राय होगी। अगर उन प्रभावी गुटों को बातचीत में शामिल नहीं किया जाएगा, तो किसी एक समूह से वार्ता और शांति समझौता कितना स्थायी और दूरगामी हो सकता है? इससे पहले सुप्रीम कोर्ट और केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से निगरानी और शांति समितियों के जरिए स्थिति को संभालने की कोशिश की गई, मगर उनका ठोस हासिल नहीं रहा। इसके अलावा, एक ओर सरकार ने हिंसा पर काबू पाने की अप्रभावी कोशिशों के समांतर सभी पक्षों को एक मेज पर लाने के प्रति या तो उदासीनता दशार्यी या फिर नाकाम रही। अगर सरकार इनके बीच किसी एक उग्रवादी समूह से संवाद की बात कह रही है, तो इसके प्रति बेहद सावधानी बरतने की जरूरत है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि हिंसा में शामिल ज्यादातर समूह अब तक बातचीत के जरिए समस्या के समाधान संबंधी प्रयासों में शामिल नहीं हो सके हैं। इसलिए सरकार और एक उग्रवादी समूह के बीच बातचीत की कामयाबी इस पर निर्भर करेगी कि दूसरे गुट इस पर क्या रुख अपनाते हैं।

खनन में खून, धंधे पर हाथ धरा तो जान लेने से भी परहेज नहीं

अवैध खनन पर रोक लगाना पूरे देश में बड़ी चुनौती बन चुका है। हालांकि कभी-कभी प्रशासन सख्त नजर आता है, मगर खनन माफिया की दबंगई के आगे वह बेबस हो जाता है। इसका ताजा उदाहरण मध्यप्रदेश के शहडोल में अवैध खनन रोकने गए एक पटवारी को ट्रैक्टर से कुचल कर मार डालना है। वहां की जिलाधिकारी के मुताबिक, उस इलाके में रेत के अवैध खनन की लगातार शिकायतें आ रही थीं, जिसके मद्देनजर खनन माफिया पर नकेल कसने का अभियान चलाया गया। पिछले तीन दिनों में काफी मात्रा में अवैध रेत पकड़ी भी गई। इसी सिलसिले में शनिवार की रात तीन पटवारियों का एक दल दबिश डालने पहुंचा था। रेत से भरे एक ट्रैक्टर को रोका, तो चालक एक पटवारी के ऊपर ट्रैक्टर चढ़ा कर निकल भागा। उसकी वहीं मौत हो गई। हालांकि प्रशासन इस घटना के बाद आरोपी ट्रैक्टर चालक को गिरफ्तार कर अपनी तत्परता का प्रदर्शन कर रहा है, मगर यह सवाल अपनी जगह है कि अवैध खनन पर रोक लगाना इतना मुश्किल क्यों बना हुआ है। अगर सचमुच प्रशासन इस पर अंकुश लगाना चाहता, तो खनन माफिया इस तरह मनमानी और दबंगई न कर पाता। अवैध खनन मध्यप्रदेश की कोई नई समस्या नहीं है। इससे पहले भी इसे रोकने की कोशिश करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। पिछले साल मध्यप्रदेश में ही अवैध रेत खनन करने वालों पर दबिश डालने गए वन विभाग के कर्मचारियों को माफिया के लोगों ने दौड़ा-दौड़ा कर लाठी-डंडों से पीट कर घायल कर दिया था। करीब ग्यारह साल पहले एक पुलिस अधिकारी को भी इसी तरह मार डाला गया था। तब खनन माफिया के खिलाफ सख्त कदम उठाने का संकल्प दोहराया गया था, मगर उसके बाद से अब तक ट्रैक्टर के नीचे कुचल कर सरकारी कर्मचारियों को मार डालने की कई घटनाएं हो चुकी हैं। इस तरह खनन माफिया प्रशासन पर मानसिक दबाव और भय पैदा करने का प्रयास करता है कि अगर उसके धंधे पर रोक लगाने की कोशिश की गई, तो वह खून-खराबे से परहेज नहीं करेगा। यह मामला केवल रेत खनन तक सीमित नहीं है। पत्थर और कोयले के खनन में भी इसी तरह की दबंगई देखी जाती है। मध्यप्रदेश के अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु, कर्नाटक आदि राज्यों से भी इस तरह खनन माफिया के हाथों सरकारी कर्मचारियों के कत्ल की घटनाएं जब-तब सुनने को मिल जाती हैं। कायदे से रेत, पत्थर, कोयले आदि के खनन का ठेका सरकारें नदियों के जल संग्रहण क्षेत्र, पहाड़ी क्षेत्रों की भौगोलिक और पर्यावरणीय स्थिति आदि का आकलन करते हुए देती हैं। उसमें रेत, पत्थर, कोयला आदि निकालने की सीमा भी तय की जाती है। मगर ठेकेदार तो खुद अधिक कमाई के लोभ में तय सीमा से अधिक खनन करते ही हैं, उनके समांतर अवैध रूप से खुदाई करने वाले कई गिरोह भी सक्रिय हो जाते हैं। छिपी बात नहीं है कि ये प्रायः ऐसे लोग होते हैं, जो राजनीतिक और प्रशासनिक रसूख और सांठगांठ से अपना धंधा चलाते हैं। शायद ही कोई राज्य ऐसा हो जहां राजनीतिक संरक्षण में अवैध खनन न चलता हो। इसलिए अगर कभी किसी वजह से खनन माफिया पर नकेल कसने की कोशिश की जाती है, तो वे खून-खराबे पर उतर आते हैं। बेशक मध्यप्रदेश की घटना पर विपक्ष को निशाना साधने का मौका मिल गया है, मगर सब जानते हैं कि बिना राजनीतिक इच्छाशक्ति के ऐसे लोगों पर काबू पाना कठिन ही बना रहेगा।

मुसलमानों पर अत्याचार करने वाले चीन की चाल को कब समझेंगे इस्लामिक देश?

संतोष पाठक

कोरोना काल के दौरान अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खराब हुई अपनी छवि को सुधारने और अपने व्यापारिक हितों को साधने के लिए चीन पिछले कुछ समय से इस्लामिक देशों का सहारा लेने लगा है। हाल ही में चीन ने इजरायल और हमास की लड़ाई के मुद्दे पर अपने देश में अरब और मुस्लिम देशों के साथ एक बैठक बुलाई जिसमें चीन ने अपने आप को मुसलमानों का सबसे बड़ा हमदर्द साबित करने की कोशिश करते हुए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से गाजा में इजरायल और हमास के बीच चल रही लड़ाई को रोकने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाने का आह्वान किया। चीन में हुई इस बैठक में सऊदी अरब, जॉर्डन, मिस्त्र, इंडोनेशिया और फिलिस्तीन के साथ-साथ दुनिया के 57 इस्लामिक देशों के संगठन- इस्लामिक सहयोग संगठन के नेता भी शामिल हुए। यह दावा किया गया कि चीन ने यह बैठक मिडिल ईस्ट में स्थाई शांति कायम करने के लिए बुलाई थी। चीन में हुई इस बैठक से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह भी संदेश देने का प्रयास किया गया कि चीन मुसलमानों का सबसे बड़ा रहनुमा है और वह इजरायल-हमास की लड़ाई के बीच फिलिस्तीन के साथ खड़ा हुआ है मतलब आतंकी संगठन हमास के साथ खड़ा हुआ है।

चीन में दो दिनों तक चली इस बैठक के बाद चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बयान दिया कि मुस्लिम देशों का अच्छा दोस्त और भाई होने के नाते चीन ने हमेशा फिलिस्तीन का समर्थन किया है। चीन फिलिस्तीन लोगों के राष्ट्रीय अधिकारों की रक्षा करना चाहता है। चीनी विदेश मंत्री ने कहा कि उनका देश फिलिस्तीन लोगों के वैध राष्ट्रीय अधिकारों और हितों को बहाल करने के उचित मांग का दृढ़ता से समर्थन करता है और नागरिकों को

नुकसान पहुंचाने वाले कृत्यों की निंदा करता है। विडंबना देखिए कि चीन के इतिहास की समझ रखने वाले दुनिया के इस्लामिक देश भी चीन के इस भंवरजाल में फंसते हुए नजर आ रहे हैं या शायद अपने-अपने स्वार्थों के कारण जानबूझकर चीन के झूठ और षड्यंत्र का समर्थन कर रहे हैं।

जो चीन अपने शिनजियांग प्रान्त में मुसलमानों पर ऐसे-ऐसे भयावह अत्याचार कर रहा है जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है, जो चीन अपने देश में मस्जिदों को तोड़ रहा है या बंद कर रहा है, जो चीन अपने देश में रहने वाले दो करोड़ मुसलमानों को हर तरीके से प्रताड़ित कर रहा है, जिस चीन ने अपने देश के अंदर मुसलमानों की धार्मिक स्वतंत्रता को तहस-नहस करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है वहीं चीन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने आप को मुसलमानों और मुस्लिम देशों का सच्चा दोस्त, भाई और हमदर्द साबित करने की कोशिश कर रहा है और सबसे बड़ी विडंबना तो यह है कि उसी चीन की धरती पर जाकर इन इस्लामिक देशों के मंत्रियों के मुंह से चीन के मुसलमानों पर अत्याचार को लेकर आवाज तक नहीं निकलती। दुनिया के इस्लामिक देश यह समझ ही नहीं पा रहे हैं कि चीन किस तरह से मिडिल ईस्ट में अमेरिका के सामरिक प्रभाव और भारत के नैतिक प्रभाव को कमजोर करने के लिए सिर्फ और सिर्फ उनका इस्तेमाल कर रहा है। चीन का मकसद मुसलमानों का हित नहीं बल्कि अपने व्यापारिक हितों को साधना भर है।

चीन की मंशा का अंदाजा इस बात से बखूबी लगाया जा सकता है कि चीन ने दुनिया के इस्लामी देशों के साथ जो बैठक इजरायल और हमास की लड़ाई का समाधान निकालने के लिए बुलाई थी उस बैठक के बीच चीन ने सऊदी अरब के साथ एक अहम व्यापारिक समझौते पर हस्ताक्षर किया और वह समझौता था करंसी स्वैप का। चीन ने सऊदी अरब के साथ द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने और सहज बनाने के लिए सऊदी अरब के सऊदी सेंट्रल बैंक और चीन के पीपल्स बैंक ऑफ चाइना के बीच 3 साल के करेंसी स्वैप एग्रीमेंट पर सहमति जताई और दोनों बैंकों ने आने वाले तीन सालों में अधिकतम 50 अरब युआन तक का व्यापार करंसी स्वैप एग्रीमेंट के तहत करने का फैसला किया। समझौते में इस बात का उल्लेख किया गया है कि चीन और सऊदी अरब इस समझौते को आपसी सहयोग से आगे बढ़ा भी सकते हैं। चीन की इस चाल को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में अमेरिकी मुद्रा डॉलर के प्रभुत्व को कमजोर करने के अभियान का हिस्सा माना जा रहा है और इससे अंदाजा लगा सकते हैं कि इस्लामिक देशों की बैठक को लेकर चीन सार्वजनिक तौर पर भले ही जो भी बयानबाजी करें लेकिन अगर वास्तव में दुनिया के ये इस्लामिक देश अगर सही मायनों में मुसलमानों का भला चाहते हैं तो उन्हें चीन की इस चाल में फंसने की बजाय फिलिस्तीनी आतंकी संगठन हमास सहित दुनिया के अलग-अलग इलाकों में आतंकवाद फैला रहे तमाम आतंकी संगठनों पर अपनी तरफ से नकेल कस कर उनके फंडिंग के रास्तों को बंद करना चाहिए और इसके बाद भारत जैसे देशों का साथ और समर्थन लेकर इजरायल फिलिस्तीन विवाद का स्थाई समाधान ढूंढने के लिए आगे बढ़ना चाहिए क्योंकि चीन का मकसद शांति स्थापित करना तो कतई नहीं हो सकता। अपने देश में मुसलमानों पर अकल्पनीय अत्याचार और संयुक्त राष्ट्र में आतंकवादियों का साथ देने वाला चीन शांति की जितनी भी बातें करें हकीकत तो यही है कि शांति और अमन से चीन का कभी भी कोई नाता नहीं रहा है।

तालिबान के प्रति क्या बदल गया है भारत का रुख?

नीरज कुमार दुबे

भारत में अफगानिस्तान के दूतावास ने भारत सरकार की ओर से लगातार चुनौतियां आने का दावा करते हुए अपना काम-काज स्थायी रूप से बंद करने की घोषणा कर दी है। हम आपको याद दिला दें कि अफगानिस्तान के दूतावास ने 30 सितंबर को घोषणा की थी कि वह एक अक्टूबर से अपना काम-काज बंद रहा है। उस समय मिशन ने भारत सरकार से समर्थन नहीं मिलने, अफगानिस्तान के हितों को पूरा करने में अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाने और कर्मियों एवं संसाधनों की कमी के कारण यह कदम उठाए जाने की बात कही थी। अब दूतावास ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि वह भारत सरकार की ओर से लगातार आ रहीं चुनौतियों के कारण नयी दिल्ली स्थित अपने राजनयिक मिशन को 23 नवंबर से स्थायी रूप से बंद करने की, खेद के साथ घोषणा करता है।

बयान में कहा गया, यह निर्णय दूतावास द्वारा 30 सितंबर 2023 को परिचालन बंद करने के बाद लिया गया है।" बयान में कहा गया है कि वह कदम इस उम्मीद में उठाया गया था कि नयी दिल्ली स्थित अफगानिस्तान के दूतावास का काम सामान्य रूप से जारी रखने के लिए भारत सरकार के रुख में अनुकूल बदलाव आएगा। अफगान दूतावास ने कहा कि आठ सप्ताह के इंतजार के बावजूद राजनयिकों के लिए वीजा की अवधि में विस्तार और भारत सरकार के व्यवहार में बदलाव के उद्देश्यों को दुर्भाग्य से पूरा नहीं किया जा सका। बयान में कहा गया है, तालिबान और भारत सरकार दोनों की ओर से नियंत्रण त्यागने के लगातार दबाव को देखते हुए दूतावास को एक कठिन विकल्प चुनना पड़ा। मिशन ने कहा कि इस समय भारत में अफगान गणराज्य का कोई राजनयिक नहीं है। उसने कहा कि अफगानिस्तान इस्लामी गणराज्य के दूतावास में सेवाएं देने वाले कर्मी अन्य देशों में सुरक्षित पहुंच गए हैं। बयान में कहा गया है कि भारत में अब केवल तालिबान से जुड़े राजनयिक हैं, जो अपनी नियमित ऑनलाइन बैठकों में भाग लेते दिखते हैं। मिशन ने कहा कि अफगान गणराज्य के राजनयिकों ने मिशन को पूरी तरह से भारत सरकार को सौंप दिया है। मिशन ने कहा, अब मिशन का भाग्य तय करना भारत सरकार के हाथ में है कि उसे बंद रखना है या इसे तालिबान राजनयिकों को सौंपने की संभावना समेत अन्य विकल्पों पर विचार करना है।" अफगान मिशन ने कहा कि अफगानिस्तान इस्लामी गणराज्य द्वारा नियुक्त राजनयिकों की जिम्मेदारी आधिकारिक तौर पर समाप्त हो गई है। बयान में कहा गया है कि अफगानिस्तान के मिशन का दुर्भाग्यपूर्ण अंत भारत में अफगान गणराज्य की मौजूदगी का समापन है। बयान में कहा गया है, ऐतिहासिक घटनाओं और वर्तमान परिस्थितियों पर गहनता से विचार करने के बाद हम इस निर्णय पर पहुंचे है। हम पिछले 22 वर्ष में अफगानिस्तान को समर्थन और सहायता देने के लिए भारत के लोगों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।

अफगान दूतावास ने कहा कि भारत 2001 से पूर्ववर्ती अफगान गणराज्य का एक दृढ़ रणनीतिक भागीदार रहा है और हम उन सीमाओं और चिंताओं को समझते हैं जो वास्तविक राजनीति के क्षेत्र और भू-राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में कठिन समय में संतुलन के कार्य को नियंत्रित करती हैं। मिशन ने कहा, "इसलिए हमारा यह दृढ़ता से मानना है कि इस स्तर पर भारत में मिशन को बंद करने और मिशन का संरक्षण प्राधिकार मेजबान देश को सौंपने का निर्णय अफगानिस्तान के सर्वोत्तम हित में है। दूतावास ने अफगानिस्तान के लिए उस चुनौतीपूर्ण समय का जिक्र किया, जब वहां लाखों लोग गरीबी और सामाजिक-आर्थिक एवं राजनीतिक बहिष्कार से जूझ रहे हैं। उसने आग्रह किया कि विदेश मंत्रालय नयी दिल्ली में स्थित अफगान राजनयिक मिशन की संपत्तियों, बैंक खातों, वाहनों और अन्य सभी संपत्तियों के संरक्षण की जिम्मेदारी संभालने से संबंधित दायित्व और जिम्मेदारियों को 1961 की वियना संधि (अनुच्छेद 45) के प्रावधानों के तहत तत्काल पूरा करे। बयान में कहा गया, 110 पन्नों में संपत्ति की एक विस्तृत सूची विदेश मंत्रालय के साथ पहले ही साझा की जा चुकी है, जिसमें मिशन के बैंक खातों में लगभग 5,00,000 डॉलर का विवरण भी शामिल है। मिशन ने भारत सरकार से इस अवधि के दौरान मिशन की संपत्तियों पर अफगान लोगों की इच्छाओं के अनुरूप अफगानिस्तान का झंडा फहराने की अनुमति देने का भी अनुरोध किया। बयान में कहा गया, यह दुनिया भर के लाखों अफगान नागरिकों के लिए सम्मान, गौरव, बलिदान और आत्मनिर्णय का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है। मिशन ने कहा, अंत में, हम विदेश मंत्रालय से इस समझ के साथ दूतावास की संपत्ति और पूंजी की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अनुरोध करते हैं कि उन्हें भविष्य में अफगान लोगों द्वारा विधिवत निर्वाचित/चुनी हुई एक वैध जवाबदेह सरकार को सौंपा जाएगा। दूतावास ने यह भी कहा कि कुछ लोग इस कदम को निष्ठा बदलकर तालिबान के वफादार बनने वाले राजनयिकों की कथित संलिप्तता वाले आंतरिक संघर्ष के रूप में चित्रित करने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन वह इस बात पर जोर देता है कि यह निर्णय हितों और नीति में व्यापक बदलाव का परिणाम है। मिशन ने कहा, भारत में अफगान नागरिकों ने हमारे मिशन के कार्यकाल के दौरान जो समर्थन दिया, उसके लिए हम उनके प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। हमने सीमित संसाधनों एवं ताकत तथा काबुल में वैध सरकार की अनुपस्थिति के बावजूद उनकी बेहतरी के लिए अथक प्रयास किया है। बयान में कहा गया कि दुर्भाग्य से, तालिबान द्वारा नियुक्त एवं संबद्ध राजनयिकों की उपस्थिति और काम को उचित ठहराने के लिए हमारी छवि खराब करने और राजनयिक प्रयासों में बाधा डालने के प्रयास किए गए हैं। हम आपको बता दें कि भारत में अफगानिस्तानी दूतावास का नेतृत्व राजदूत फरीद मामुंदजई ने किया। मामुंदजई को अफगानिस्तान में पूर्ववर्ती अशरफ गनी सरकार ने नियुक्त किया था और अगस्त 2021 में तालिबान द्वारा अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा करने के बाद भी वह अफगान राजदूत के रूप में काम कर रहे थे। तालिबान द्वारा अप्रैल-मई में मामुंदजई की जगह मिशन का नेतृत्व करने के लिए अस्थायी राजदूत की नियुक्ति की खबरें आई थीं। इसके बाद दूतावास ने एक बयान जारी कर कहा था कि उसके नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं हुआ है। हम आपको यह भी बता दें कि भारत ने तालिबान प्रशासन को अभी तक मान्यता नहीं दी है और वह काबुल में असल समावेशी सरकार के गठन की वकालत कर रहा है। भारत इस बात पर जोर देता रहा है कि अफगान धरती का इस्तेमाल किसी भी देश के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। हम आपको यह भी याद दिला दें कि तालिबान सिर्फ अफगानिस्तान में ही सत्ता संघर्ष में नहीं उलझा हुआ है बल्कि सत्ता से जुड़े हर प्रतिष्ठान पर कब्जे की यह लड़ाई अब विदेशों में स्थित दूतावासों तक भी जा पहुँची है। हम आपको बता दें कि कुछ समय पहले तालिबान की ओर से एक अधिकारी ने दावा किया था कि दिल्ली के लिए नये राजदूत की नियुक्ति की गयी है लेकिन अफगानिस्तान की पूर्व सरकार द्वारा नियुक्त अफगानी राजदूत ने इस दावे को फर्जी बताया था। इस तरह की खबरें थीं कि विदेशों में अपना संपर्क ज्यादा से ज्यादा बढ़ाने के लिए तालिबान शासन राजदूतों की नियुक्ति कर रहा है लेकिन उसके समक्ष दिक्कत यह है कि भारत समेत तमाम देशों ने तालिबान शासन को मान्यता ही नहीं दी है।

निजी क्षेत्र की नौकरियों में आरक्षण का प्रावधान करना राजनीतिक दलों का स्वार्थ है

योगेंद्र योगी

पहले तो राज्य सरकारें निजी निवेश के लिए मिन्नतें करें, निवेशकों के लिए रेड कारपेट बिछाएं, फिर मौकापरस्त बन कर उन्हें दूध देने वाली गाय की तरह निचोड़ने लगें। यह सीधा ब्लैकमेल का मामला है। हरियाणा में निजी क्षेत्र में नौकरी के आरक्षण के कानून को अवैध करार देने के हाईकोर्ट के आदेश से यह साबित हो गया है कि राजनीतिक दल अपने निजी स्वार्थों के लिए किस हद तक जा सकते हैं। हरियाणा सरकार को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने प्राइवेट नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान को रद्द कर दिया है। कोर्ट का कहना है कि ये पूरी तरह से असंवैधानिक है। इस मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने हरियाणा राज्य स्थानीय उम्मीदवारों के रोजगार अधिनियम, 2020 को असंवैधानिक माना और कहा कि यह अधिनियम बेहद खतरनाक है और संविधान के भाग-3 का उल्लंघन करता है।

दरअसल हरियाणा सरकार ने कानून बना कर प्रावधान किया कि नए कारखानों/उद्योगों या पहले से स्थापित उद्योगों/संस्थानों में 75 प्रतिशत नौकरियां हरियाणा के मूल निवासियों को दी जाएंगी। यह केवल हरियाणा राज्य में स्थित विभिन्न निजी तौर पर कंपनियों, सोसायटी, ट्रस्ट, सीमित देयता भागीदारी फर्म, साझेदारी फर्म आदि में 10 या अधिक व्यक्तियों को रोजगार देने वाले 30,000 रुपये प्रति माह से कम वेतन वाली नौकरियों पर लागू होगा। यह पहला मौका नहीं है जब किसी सत्तारुढ़ दल ने निजी क्षेत्र में नौकरी के आरक्षण के प्रावधान का प्रयास करके राजनीतिक स्वार्थ साधने का प्रयास किया है। महाराष्ट्र (80 प्रतिशत तक), आंध्र प्रदेश (75), और कर्नाटक (75) पहले से ही स्थानीय लोगों के लिए निजी नौकरियां आरक्षित करने का प्रावधान कर चुके हैं। मध्य प्रदेश ने निजी नौकरियों में स्थानीय लोगों के लिए 70 प्रतिशत तक कोटा निर्धारित किया था। यह निर्णय कमल नाथ शासन के दौरान लिया गया था। हालांकि इन प्रदेशों की सरकारों के इरादे असफल साबित हुए। कुछ मामलों में अदालतों ने पानी फेर दिया, कुछ राज्य इसकी व्यवहारिकता को समझ कर पीछे हट गए। आंध्र प्रदेश वर्ष 2019 में बढ़ती बेरोजगारी के मद्देनजर ऐसा कानून बनाने वाला पहला राज्य था, लेकिन इसे वहां के उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी। कर्नाटक ने भी ऐसे कानून पारित किए, जिसमें निजी क्षेत्र को स्थानीय उम्मीदवारों को प्राथमिकता देने के लिए कहा गया, लेकिन कंपनियों को यह नहीं पता था कि अनुपालन कैसे सुनिश्चित किया जाए। इनमें से किसी भी राज्य में सरकारों के मंसूबे पूरे नहीं हो सके।

बिहार में नीतीश सरकार ने 2020 में एनडीए सरकार की वापसी के बाद कैबिनेट में फैसला लिया था कि प्राथमिक शिक्षक भर्ती में सिर्फ बिहार के लोग शामिल हो सकेंगे। इस फैसले को इस साल जून में महागठबंधन सरकार की कैबिनेट ने देश के सभी नागरिकों के लिए खोल दिया। सरकार को अंदेशा था कि अगर दूसरे राज्य के कैंडिडेट कोर्ट चले गए तो यह बहाली रद्द हो जाएगी, क्योंकि ये रोक संविधान से मिले समानता के अधिकार का उल्लंघन करता। पिछले दो दशकों में बैलगाड़ी वाले गांव से भरे आईटी-आईटीईएस सेवाओं और बीपीओ हब में गुरुग्राम का कायापलट भारत के सुदूर कोनों से आए अविश्वसनीय प्रतिभा पूल द्वारा किया गया है। गुरुग्राम नौकरियों का शहर है, लेकिन निजी क्षेत्र में आरक्षण का कानून यदि बन जाता तो निजी क्षेत्र के लिए यह खतरा बन जाता। नैसकॉम सर्वेक्षण के अनुसार, हरियाणा में लगभग 500 आईटी-आईटीईएस कंपनियां हैं जिनमें 4 लाख से अधिक कर्मचारी हैं। ये कंपनियां ऐसे कौशल पर निर्भर हैं जो हरियाणा में आसानी से उपलब्ध नहीं हैं। सर्वेक्षण में उद्धृत स्थानीय उम्मीदवारों में प्रमुख कौशल कमियां शामिल हैं। इनमें एआई और मशीन लर्निंग कौशल, विश्लेषणात्मक और सांख्यिकीय कौशल, वित्त और लेखांकन, प्रोग्रामिंग कौशल, डेटा विज्ञान, अनुसंधान एवं विकास कौशल, इंजीनियरिंग और तकनीकी कौशल जैसी कमियां शामिल हैं। नैसकॉम और आईटी मंत्रालय संयुक्त रूप से आईटी-आईटीईएस सेक्टर का राजस्व 2025-26 तक 194 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर 350 बिलियन डॉलर करने का लक्ष्य बना रहे हैं। यदि निजी क्षेत्र में आरक्षण का कानून लागू हो जाता तो यह लक्ष्य हासिल करना असंभव रहता। दरअसल सरकारों को पता है कि जिसने लाखों-करोड़ों का निवेश किया है, वह अब उसे उखाड़ कर किसी दूसरे प्रदेश में नहीं ले जा सकता। इस मजबूरी का फायदा उठाते हुए सरकारें उद्योगपतियों से मनमानी करने पर उतारू हो जाती हैं। यदि उद्योगपति किसी तरह का गैरकानूनी काम करें तो उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई के लिए सरकारें स्वतंत्र हैं, किन्तु अपनी राजनीतिक महत्वकांक्षाएं उन पर नहीं लादी जा सकतीं। यदि अदालतों का भय नहीं होता तो निजी क्षेत्र में रोजगार के लिए आरक्षण की लूट में सभी राजनीतिक दल एक-दूसरे से होड़ करते नजर आते। राजनीतिक दलों को सत्ता पाने के लिए पका पकाया चाहिए। बेरोजगारी समाप्त करने के लिए सत्तारुढ़ दलों के पास कोई ठोस और दूरगामी नीति नहीं होती। यही वजह है कि सभी दल इस मुद्दे पर बहस तक करने से कतराते हैं।

दरअसल रोजगार मुहैया कराने के लिए आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने, गुणवत्तायुक्त शिक्षा, भ्रष्टाचार का खात्मा और राजस्व के संसाधनों की जरूरत होती है। इतनी लंबी और मेहनत भरी कवायद करने से राजनीतिक दल कतराते हैं। ऐसे में सत्ता प्राप्ति के लिए लोगों को बरगलाने का आसान तरीका आरक्षण नजर आता है। राजनीतिक दल जातिगत सरकारी नौकरियों में आरक्षण का फायदा उठा चुके हैं। इसमें अब सुप्रीम कोर्ट के कायदे-कानून आड़े आ रहे हैं। अन्यथा दलों ने अपने सुविधा के हिसाब से इसका प्रतिशत बढ़ाने से भी नहीं चूकते। इसके बावजूद भी राजनीतिक दलों ने यह दिखाने के लिए कि वे आम लोगों के कितने बड़े हितैषी हैं, पचास प्रतिशत के इस दायरे को बढ़ाने के भरसक प्रयास किए हैं, हालांकि यह जानते हुए भी कि उनका यह प्रयास अदालत में मुंह के बल गिरेगा। इसका उदाहरण मराठा आरक्षण है। आरक्षण का कोटा पूरा होने के बावजूद मराठा आरक्षण का प्रस्ताव महाराष्ट्र सरकार ने पारित कर दिया, किन्तु सुप्रीम कोर्ट ने इसे गैरकानूनी करार देकर सरकार के राजनीतिक स्वार्थों पर पानी फेर दिया। आश्चर्य की बात यह है कि राजनीतिक दल आरक्षण का दायरा बढ़ाने की वकालत करतें हैं किन्तु मौजूदा आरक्षण से क्रीमी लेयर को बाहर करने की बात नहीं करते, ताकि दूसरे वंचित आरक्षित वर्ग को आगे आने का मौका मिल सके। आरक्षण का कई पीढ़ियों से फायदा उठा रही यह क्रीमी लेयर जमात आरक्षण के दायरे में मौजूद दूसरे लोगों का हक डकार रही है।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को बुके एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर किया गया अभिनंदन

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना सड़क पर व्यवसाय करने वाले विक्रेताओं को समर्पित - हरदीप सिंह पुरी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी महानगर महामंत्री जगदीश त्रिपाठी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्री पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय भारत सरकार हरदीप सिंह पुरी को बुके एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर अभिनंदन करते हुए काशी में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से लाभान्वित 48000 स्ट्रीट वेंडरों की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट किया एवं बताया कि छूटे स्ट्रीट वेंडरों को भी जल्द से जल्द सूचीबद्ध कर लाभ पहुंचाने का द्दण संकल्प संगठन ने लिया है` हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना सड़क पर व्यवसाय करने वाले विक्रेताओं को समर्पित व्यवसायियों के जीवन को बेहतर बनाने वाली योजना है क्योंकि ये स्ट्रीट वेंडर्स हमेशा स्वदेशी और सादगी से भरपूर उत्पादों की पेशेवर सेवा करते हैं और समुचित मूढ़ दरों में जीवन यापन करते हैं प्रधानमंत्री स्वनिधि से समृद्धि योजना इन्हें आठ योजनाओं द्वारा समर्थन और सुरक्षा प्रदान करती है ताकि वे अपने आत्मनिर्भरता के साथ समाज को सेवा कर सकें इसी विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी के लिए जल्द ही काशी में स्ट्रीट वेंडरों के साथ एक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा` अभिनंदन में मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी महानगर महामंत्री जगदीश त्रिपाठी ,फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति संरक्षक अजय सिंह बॉबी ,फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति संरक्षक गौरव प्रकाश ,फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति संरक्षक धर्मकीर्ति शर्मा ,फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति सचिव अभिषेक निगम ,फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति सदस्य विकास यादव एवं फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति सदस्य अनमोल निगम उपस्थित थे।

आल इंडिया कांनीनजुकु ओपन कराटे चैंपियनशिप का आयोजन

प्रखर वाराणसी। रेलवे इंडोर स्टेडियम, भुवनेश्वर, उड़ीसा में प्रतियोगिता में आल इंडिया कांनीनजुकु ओपन कराटे चैंपियनशिप का आयोजन हुआ था। इस प्रतियोगिता में वाराणसी के कांनीनजुकु आर. बी. मार्शल आर्ट्स एकडेमी के 4 खिलाड़ियों ने उत्तर प्रदेश की ओर से प्रतिभाग किया था। जिसमें सिद्धांत राय 12 -13 बालक वर्ग में स्वर्ण पदक (कुमिते +55 किग्रा भार वर्ग)और कांस्य पदक (काता), आदर्श सोनकर +18 पुरुष वर्ग में स्वर्ण पदक कुमिते (-84 किग्रा भार वर्ग) , शूचय कुमार मिश्रा 14-15 आयु बालक वर्ग कांस्य पदक (कुमिते -57 किग्रा भार वर्ग) और कांस्य पदक (काता वर्ग) नीरज यादव ने 14 -15 आयु बालक वर्ग काता में रजत पदक जीता। टीम कोच सेंसेई मीनाक्षी गुप्ता थीं । खिलाड़ियों के मुख्य प्रशिक्षक अरविन्द कुमार यादव ने बताया इन खिलाड़ियों ने उत्तर प्रदेश की ओर से प्रतिभाग करते हुए उत्तर प्रदेश को तृतीय स्थान दिलाया। टीम को क्योशी परमजीत सिंह (काउंसलर रेफरी कमिशन, कराटे इंडिया आगेर्नाइजेशन) ने ट्रॉफी प्रदान किया।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाऐं महाविद्यालयों में शुरू

प्रखर जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दिशा निर्देश के अनुसार परीक्षा से पूर्व मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज में परीक्षा समिति की बैठक हुई। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान की अध्यक्षता में समिति ने तय किया कि सेमेस्टर परीक्षाएं 28 नवंबर से शुरू होगी। सेमेस्टर परीक्षा का समय घटाकर दो-दो घंटे किया गया। मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज में बीए शिक्षाशास्त्र विषय की परीक्षा प्रथम पाली में सम्पन्न हुई। कॉलेज के डॉ. अब्दुल कादिर खान ने कहा कि बीए/बीएससी और बीकॉम की अर्धवार्षिक परीक्षा की शुरूआत कर दी गई है।परीक्षा में उड़ाकादल सक्रिय रहा एवं प्राचार्य डॉ अब्दुल कादिर खान ने भी परीक्षा कक्ष का निरीक्षण किया उन्होंने कहा कि आज हमारे कॉलेज में बीए शिक्षाशास्त्र की परीक्षा प्रथम पाली में समस्त प्राध्यापकों की देख-रेख में सुचारू रूप से संम्पन्न कराई गई। परीक्षा में डॉ शहनवाज खान,डॉ के के सिंह, डॉ नीलेश सिंह, डॉ ज्योत्स्ना सिंह, डॉ शाहिदा परवीन,डॉ राशिद,डॉ यूपी सिंह आदि समस्त प्राध्यापकों की निगरानी में परीक्षा संम्पन्न हुई।

सेवा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

बलिया। अध्यक्ष/ जिलाधिकारी बलिया के निर्देशन में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर स्नानार्थियों के लिए सेवा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन इण्डियन रेड क्रॉस सोसायटी बलिया एवं श्री गणिनाथ सेवाश्रम मंदिर व छात्रावास निर्माण समिति कदम चौराहा बलिया द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। सेवा स्वास्थ्य शिविर उदघाटन का शुभारंभ अपर जिलाधिकारी (वित्त राजस्व) देवेन्द्र प्रताप सिंह एवं अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ देवेन्द्र कुमार सिंह द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। शुभारंभ से पहले शिविर स्थल पर अपर जिलाधिकारी के पहुंचने पर सर्व प्रथम बुके देकर डॉ देवेन्द्र कुमार सिंह एवं डॉ अभिषेक मिश्र द्वारा स्वागत किया गया।

मोबाइल टॉवर से ताँबे के तार चोरी करने वाले 2 शातिर चोरों को खलीलाबाद कोतवाली पुलिस ने दबोचा, भेजा जेल

प्रखर संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक जनपद संतकबीरनगर सत्यजीत गुप्ता के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद दीपांशी राठौर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली खलीलाबाद ब्रजेन्द्र प्रसाद पटेल के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा मोबाइल टावर से चोरी के 3.342 किलोग्राम ताँबे के तार के साथ गिरफ्तार दो अभियुक्त को गिफ्तार किया गया। गिरफ्तार वांछित अभियुक्त मनोज पुत्र स्व0 श्रीराम निवासी बघौली थाना कोतवाली खलीलाबाद , बृजेश कुमार पुत्र स्व0 रामदुलारे निवासी बखिरा शनिचरा बाजार थाना बखिरा जनपद संतकबीरनगरनगर को चोरी के 3.342 किलोग्राम ताँबे के तार के साथ गिरफ्तार कर मुकदमा उपरोक्त में धारा 411/413 भादवि की बढ़ोत्तरी करते हुए माननीय न्यायालय रवाना किया गया। कोतवाली पुलिस के द्वारा पूछताछ में अभियुक्त मनोज ने बताया कि दिनांक 26.11.2023 को दोपहर में बघौली स्थित मोबाईल टावर से तांबे के तार वाला केबल चोरी से काटकर ले जा रहा था कि उसी समय टावर के कर्मचारी आ गए तथा मुझे दौड़ाये लेकिन मैं केबिल लेकर भागने में सफल रहा । पकड़े जाने तथा बरामदगी के डर से मैंने उसी दिन उक्त केबिल को जला दिया जिससे प्लास्टिक जो केबल के उपर चढ़ा था जल गया तथा तांबे का तार नंगा हो गया जिसके उपरान्त कस्बा बखिरा में बर्तन के दुकानदार को ले जाकर बेच दिया जिससे 1550 रु0 मिले। अभियुक्त की निशानदेही पर कस्बा बखिरा स्थित बर्तन की दुकान से बृजेश कुमार पुत्र स्व0 रामदुलारे पता उपरोक्त को 3.342 किलोग्राम ताबें के तार के साथ गिरफ्तारकर माननीय न्यायालय रवाना किया गया।

रीति रिवाज से 54 जोड़ों की 'मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना' के तहत विवाह संपन्न

चंदौली। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष-2023-24 में जनपद के विकास खण्ड-शहाबगंज में सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन कर 53 हिंदू जोड़ों एवं 01 मुस्लिम जोड़ों का विवाह सम्पन्न कराया गया। योजनान्तर्गत प्रत्येक जोड़े को उपहार सामग्री के रूप में साड़ी, ब्लाउज, पेटीकोट, चुनरी, पैन्ट शर्ट का कपड़ा, पगड़ी, बड़ा गमछा, चांदी की बिछिया एवं पायल, स्टील डिनर सेट, प्रेसर कूकर, ट्राली बैग, वैनिटी किट, दीवार घड़ी तथा डबल बेड ऊनी कम्बल वितरित किया गया। सम्पन्न सामूहिक विवाह कार्यक्रम में मा० विधायक श्री कैलाश आचार्य, मा0 पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष छत्रबली सिंह मा० ब्लाक प्रमुख विकास खण्ड शहाबगंज, खण्ड विकास अधिकारी शहाबगंज दिनेश सिंह एवं विकास खण्ड शहाबगंज में कार्यरत समस्त अधिकारी / कर्मचारीगण, जिला समाज कल्याण अधिकारी चन्दौली उपस्थित रहें। जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य ने बताया कि इसके अतिरिक्त खण्ड विकास अधिकारी, धानापुर द्वारा दिनांक-28.11.2023, सकलडीहा एवं चकिया द्वारा दिनांक-29.11.2023, नियामताबाद एवं चहनिया द्वारा दिनांक-07.12.2023 एवं सदर चन्दौली द्वारा दिनांक-11.12.2023 को सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन प्रस्तावित है। उक्त दिवसों में विकास खण्डों में कार्यक्रम का आयोजन कराते हुए पात्र जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न कराया जायेगा।

विकसित भारत संकल्प यात्रा से गांव का होगा विकास

चंदौली। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पात्र व्यक्तियों को लाभ मिले इस उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा का विभिन्न ब्लॉकों में भव्य आयोजन हुआ। केंद्र व प्रदेश सरकार के विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से उपस्थित लोगों को बताकर/समझाकर लोगों को लाभ लेने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का स्टाल लगाकर ग्रामीणों को योजनाओं के बारे में पूरी विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही मौके पर उपस्थित विभिन्न विभागों के लाभान्वित लाभार्थियों ने अपनी मेरी जुबानी मेरी कहानी के तर्ज पर अपना बातें रखी। इस कार्यक्रम के दौरान एलईडी टीबी के माध्यम से योजनाओं को विस्तार से जानकारी दी गई। उपस्थित संबंधित अधिकारियों को लोगों की भी समस्या से उन्हें अवगत कराया गया ताकि समस्याओं का समाधान हो सके। उन्होंने विकसित राष्ट्र व पीएम के संकल्प को साकार करने को लेकर लोगों को शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान मा0 जनप्रतिनिधिगण, संबंधित अधिकारीगण एवं सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कैम्प में आयुष्मान कार्ड धारक पात्र हुए लाभान्वित

चहनियां। चंदौली। जिलाधिकारी व सीएमओ के निर्देश पर सरकार की महत्वपूर्ण योजना आयुष्मान कार्ड मथेला स्थित जनता सेवा सदन हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर द्वारा कैम्प लगाकर पात्र लाभार्थियों का बनाया गया । इस दौरान डॉक्टरों ने आयुष्मान कार्ड के बारे में लोगो को बताया। सरकार द्वारा अतिमहत्वपूर्ण योजना आयुष्मान कार्ड के जरिये लोगो को लाभ पहुचाने के लिए जगह जगह कैम्प के लगाया जा रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी व मुख्य चिकित्साधिकारी चन्दौली के निर्देश पर मथेला में जनता सेवा सदन हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर पर चन्दौली सीएमओ आफिस से आये डीआईएसएम दीपक कुमार तथा अस्पताल के प्रबंध निदेशक डा0 अमरेश्वर दास द्वारा दर्जनों पात्रों का आयुष्मान कार्ड बनाया । कैम्प में लोगो को जानकारी देते हुए डीआईएसएम दीपक कुमार ने बताया कि आयुष्मान कार्ड के जो पात्र है उनको सरकार द्वारा कार्ड मुहैया कराया जा रहा है । जिससे कि गरीब वर्ग के लोग अपना इलाज करा सके । पहले लोग पैसे के अभाव में इलाज नही करा पाते थे । सरकार की यह योजना लोगो को संजीवनी का कार्य कर रहा है । आगे भी यह कैम्प चलता रहेगा। इस दौरान सतीश कुमार,बिपिन कुमार,बंदना,सरिता,गोल्डी आदि उपस्थित थे।

छात्रा व छात्र ने फांसी लगा कर की आत्महत्या, परिजनों में कोहराम

आजमगढ़। जिले के अगल-अलग थाना क्षेत्रों में शनिवार की रात एक छात्र व एक छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर पुलिस ने दोनों के शव को अंत्य परीक्षण के लिए भेज दिया। घटना से दोनों के परिजनों में कोहराम मच गया है। छात्रा बिलरियागंज थाना क्षेत्र की तो छात्र जहानागंज थाना क्षेत्र का रहने वाला था। बिलरियागंज थाना के रामपुर हज्जामपट्टी गांव निवासिनी दिशा गुप्ता 18 जैगहा बाजार स्थित एक कोचिंग सेंटर पर पढ़ाई करने के साथ ही कंप्यूटर सीखती थी। शनिवार की शाम वह कोचिंग से घर लौटी थी। उस वक्त घर पर कोई नहीं था। कुछ देर उसका छोटा भाई घर पहुंचा तो दिशा को छत के पंखा से लटकता देखा। वह भागकर मां के पास पहुंचा और घटना की जानकारी दी। इसके बाद मौके पर लोगों भीड़ जुट गई। परिजन व ग्रामीण छात्रा के अंतिम संस्कार की तैयारी करने लगे। किसी ने सूचना पुलिस को दे दी तो पुलिस ने पंचनामा कर शव को अंतिम संस्कार के लिए भेज दिया। मृतका के एक भाई व एक बहन बताए गए हैं। वहीं दूसरी घटना शहर कोतवाली के बदरका मुहल्ले में हुई। जहानागंज थाना के सेमलवल चकिया गांव निवासी सौरभ यादव 17 शहर के बदरका मुहल्ले में किराये पर कमरा लेकर रहता था। वह इंटर में पढ़ता था। शनिवार की रात अपने रूममेट अमरनाथ के साथ वह खाना गया। इसके बाद रूममेट अमरनाथ पढ़ने के लिए कमरे के बाहर चला गया। रात लगभग नौ बजे रूममेट कमरे पर पहुंचा तो कमरा अंदर से बंद था। मकान मालिक को सूचना देने के बाद किसी तरह दरवाजा खोला गया तो सौरभ पंखे से गमछे के सहारे लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अंत्य परीक्षण के लिए भेज दिया। मृतक दो भाई व दो बहनों में सबसे छोटा था।

विकास खण्ड जमालपुर, पटेहरा कला, कोन, सीखड़, सिटी, छानबे एवं हलिया के दो-दो ग्राम पंचायतों में आयोजित किया गया विकसित भारत संकल्प यात्रा चौपाल

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्गत निर्देश के अनुपालन में योजनाओं के संतृप्तीकरण के लिए आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने के लिए दिनांक 15.11.2023 से 26.01.2024 तक विकसित भारत संकल्प यात्रा के क्रम जनपद के 07 विकास खण्डों के कुल 14 ग्राम पंचायतों में विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन सम्पन्न हुआ। विकास खण्ड जमालपुर में ग्राम पंचायत रैपुर, धारा विकास खण्ड-पटेहरा कला में ग्राम पंचायत मरचा, हसड़ा, विकास खण्ड कोन में ग्राम पंचायत पुरजागीर, सारीपट्टी, विकास खण्ड-सीखड़ के ग्राम पंचायत गरैना, शिल्पी, विकास खण्ड सिटी के ग्राम पंचायत बिलना, अमोई, विकास खण्ड छानबे के ग्राम पंचायत बरीदूबे, बिहसड़ा खुर्द एवं विकास खण्ड- हलियस के ग्राम पंचायत मनिगढ़ा एवे वैधा में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यकम आयोजित हुआ। जनपद के 14 ग्राम पंचायतों में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा सम्बन्धित नामित नोडल अधिकारी के पर्यवेक्षण में की गयी। सभी 14 ग्राम पंचायतों में विभिन्न विभागों द्वारा 05 स्टाल लगाये गये, उन स्टालों पर प्रदर्शन के साथ ही उपस्थित जन समूह को जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गयी तथा आन स्पाट पंजीयन आन लाइन आवेदन की कार्यवाही की गयी। विभिन्न सांस्कृतिक गति-विधियां आयोजित की गयी। आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा में मा0 प्रमुख क्षेत्र पंचायत/सदस्य जिला पंचायत/ ग्राम प्रधान सहित अन्य मा0 जनप्रतिनिधिगण के साथ-साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण भी उपस्थित रहे। प्रत्येक विकसित भारत संकल्प यात्रा में उपस्थित विकास विभाग के अतिरिक्त अन्य विभागों के खण्ड स्तरीय अधिकारी/ग्राम पंचायत स्तरीय अधिकारियों एवं स्थानीय जनता सहित कुल प्रतिभागियों की संख्या 2928 रही है। इस प्रकार ग्राम पंचायतों में मा0 जनप्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति में विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यकम सम्पन्न हुआ। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में आयोजित चौपाल में विभिन्न लाभार्थियों से उनकी सफलता की कहानी की जुबानी सुनाई गई जिसमें राजकुमार मिश्र सारीपट्टी निवासी ने बताया मुझे किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है इससे मैं बहुत खुश हूँ किसान सम्मान निधि के पैसो से खाद बीज आदि खरीदने में आसानी हो रही हैं। इसके लिये मैं सरकार का धन्यवाद देती हैं। रेखा देवी निवासी ग्राम पुरजागीर विकास खण्ड कोन ने बताया कि शौचालय नही था शौचालय मिल जाने से अब हम लोग खुले में शौच नही जाते है अब कोई दिक्कत नही हैं।

नगर पालिका एवं सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं ने लगाया सहयोग पंडाल

चुनार। स्नान पर्व कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर नगर के विभिन्न गंगाघाटों पर स्नान करने आए श्रद्धालुओं के सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका द्वारा गंगाघाट पर जगह जगह वस्त्र बदलने के लिए पंडाल, मुख्य मार्ग से गंगाघाट तक प्रकाश की मुकम्मल व्यवस्था के साथ ही खोया पाया शिविर लगाकर परिवार से बिछड़े सैकड़ों महिला, पुरूष एवं बच्चों को परिजनों से मिलाया गया। स्नानार्थियों के लिए बालूघाट स्थित गुहराज निषाद पार्क में विन्ध्यवासिनी सेवा समिति द्वारा प्रसाद के रूप में हलुवा वितरण किया गया। इस दौरान ब्रम्हानंद कुशवाहा, अनिल यादव, मिथलेश कुमार आदि सेवा भाव से लगे रहे।संतोषी माता मंदिर घाट पर जय गुरुदेव के भक्तों द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया जहां सत्य नारायण पुजारी, शिव बालक, अशोक त्रिपाठी, रीना देवी विनोद सिंह मौजूद रहे। कोतवाल नरेंद्र कुमार सिंह अपने टीम के साथ लगातार चक्रमण कर रहे थे।

संक्षिप्त खबरें

सरदार पटेल डिग्री कॉलेज बरगदवा में खेल कूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रखर संतकबीरनगर। क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी आराधना द्विवेदी ने बताया है कि आज विकासखंड बघौली में ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि उक्त कार्यक्रम का आयोजन सरदार पटेल डिग्री कॉलेज बरगदवा संत कबीर नगर में किया गया युवाओं ने कार्यक्रम में बढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में कबड्डी, वॉलीबॉल, कुश्ती, ऊंची कूद, लंबी कूद, गोला फेंक, भाला फेंक तथा दौड़ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रबंधक राम रक्षा चौधरी, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी आराधना द्विवेदी एवं प्रधानाचार्य तथा ब्लॉक कमांडर गोरख प्रसाद, ब्लॉक कमांडर कृष्ण चंद, रमेश, गुलशन कुमार, ओम प्रकाश सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

खेत में सिचाई के विवाद को लेकर युवक को पीटा

प्रखर जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जमीन पकड़ी निवासी युवक को पड़ोस के ही रहने वाले कुछ लोगों ने गालियां देते हुए लाठी डंडे से पीटकर घायल कर दिया। पकड़ी निवासी युवक ने खेत में सिचाई के विवाद को लेकर पड़ोस के रहने वाले लकी यादव उर्फ प्रीतम पुत्र लालजी यादव, शिवम यादव पुत्र गोपाल यादव व अन्य लोगों पर आरोप लगाते हुए कहा कि सोमवार की रात लगभग 9 बजे यह लोग घर में घुसकर माँ-बहन की गंदी गालियाँ देते हुए लात-घुसो, लाठी- डंडे से मार-पीट दिया। पीटाई से घायल युवक उपेंद्र यादव पुत्र सरोज यादव के माथे व शरीर में काफी चोटे लगी। युवक ने बताया कि उस समय वह घर पर अकेला था। युवक ने थाना सरायख्जा प्रभारी निरीक्षक से पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।

भारत संकल्प यात्रा के दौरान चौपाल लगाकर दी गई जानकारी

प्रखर पिंडरा वाराणसी। केंद्र सरकार की महत्वकांक्षी विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत मंगलवार को पिंडरा विकास खण्ड के उदपुर में चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें सभी विभाग द्वारा योजनाओं के बाबत स्टॉल लगाए गए। योजनाओं के प्रति जागरूक करने तथा योजनाओं से वंचित लोगों को आच्छादित करने के लिए 15 नवम्बर से 26 जनवरी 24 तक चलने वाली यात्रा के पड़ाव के तहत मंगलवार को उदपुर में आयोजित जन चौपाल में सभी विभागों ने अपने विभाग से सम्बंधित सरकारी योजनाओं के बाबत जानकारी देने के लिए स्टॉल लगाया गया। इसके बाद रथ बढ़ौना गांव पहुँची। इस दौरान ड्रोन द्वारा नैनो यूरिया का छिड़काव कर प्रदर्शन किया गया तथा निपुण हुए छात्रो को सम्मानित किया गया। अंत मे विकसित भारत के लिए संकल्प लिया गया। चौपाल के दौरान आयुष्मान कार्ड, आवास, राशन कार्ड, विधवा व वृद्धा पेंशन से वंचित लोगों की सूची बनाई गई। जिसमें विकास, शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, राजस्व, पंचायत, बाल विकास विभाग समेत दर्जन भर विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। इस बाबत बीडीओ छोटेलाल तिवारी ने बताया कि योजनाओं से वंचित पात्र लोंगो को सूचीबद्ध कर 31 दिसम्बर तक उन्हें केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं से आच्छादित किया जाएगा। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि पवन सिंह, ब्लॉक प्रमुख धर्मेन्द्र विश्वकर्मा, ब्लॉक प्रमुख संरक्षक रविशंकर सिंह, बीईओ देवीप्रसाद दुबे, एडीओ पंचायत अशोक चौबे, एडीओ सहकारिता प्रियंका मिश्रा व एडीओ एजी केशव यादव समेत अनेक अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं के लिए लगाया गया कैंप

बलिया। प्रत्येक वर्ष के बाद इस वर्ष भी बलिया विकास मंच कार्तिक पूर्णिमा के शुभ अवसर पर उसके पूर्व संध्या से रात्रि भर बलिया विकास मंच का कैंप महावीर घाट मार्ग पर गायत्री शक्तिपीठ से आगे आए हुए श्रद्धालुओं के लिए लगाया गया जिसमें रात्रि भर आम जन मानस के लिए चाय एवं सामान्य दवाईयो जैसे पेट दर्द सर दर्द हल्की खाँसी आदि का वितरण किया गया जिसमें सभी कार्यकर्तागण बलिया विकास मंच के लिए आम जनमानस के लिए लगातार रात भर अपनी सेवा देते रहे उक्त कार्यालय का उद्घाटन स्वयं 5:00 बजे नागजी विद्यालय माल्देपुर के अवकाश प्राप्त शिक्षक श्री जितेंद्र तिवारी जी के द्वारा पूजा पाठ एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया उक्त अवसर पर विशेष रूप से बलिया विकास मंच के अध्यक्ष विकास श्रीवास्तव जी द्वारा आए हुए आगंतुको का स्वागत किया गया तत्पश्चात आए हुए लोगों का स्वागत किया गया उस कैंप में प्रमुख रूप से अरविंद गिरी, दिनेश प्रसाद, दिनेश वर्मा, राजकुमार शर्मा, मनोज पांडे, मनोज श्रीवास्तव, रवि गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, राम लोशन, आशुतोष श्रीवास्तव, विशाल वर्मा एवं साथ ही भाजपा जिला महामंत्री कृष्णा पांडे, रेखा श्रीवास्तव, रुपाली श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

कार्तिक पूर्णिमा पर गंगापुर गंगा घाट पर लोगों ने लगाई आस्था की डुबकी

रेवती बलिया। सोमवार के दिन कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर गंगापुर गंगा घाट पर लोगो ने डूबकी लगायी। लोगो के आवागमन के चलते एनएच 31पर पचरुखिया से रामगढ़ तक दिन के 12 बजे तक काफी भीड़ रही। गंगा स्नान के बाद लोगो ने दान आदि के बीच विधिवत पूजन अर्चन किया।जलेबी की दुकानो पर खरीददारी किया।घाटो तथा आस पास पुलिस सुरक्षा के मद्देनजर सर्तक रही।रेवती तथा आस पास के लोगो के आवागमन के चलते यह रोड भी काफी व्यस्त रहा।सड़क पर अप्रत्याशित जाम के चलते पैदल चलने वाले दशार्नार्थियों को भी अलग अलग घाटों पर आने जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

परिचालक की कोई शिकायत हो तो तुरंत मेरे हेल्पलाइन पर अवगत अवगत करें

बलिया। उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम के क्षेत्रीय सहायक प्रबंधक अजय कुमार ने लगातार 2 दिन से रोडवेज बस स्टैंड पर अपने सहयोगियों के साथ सवारी बैठक बसों को रवाना कर रहे हैं श्री कुमार ने बताया कि यात्रियों को बेहतर सुविधा देना प्राथमिकताओं में से एक है जिसमें यह भी बताया गया है यात्रियों से कि चालक परिचालक की कोई शिकायत हो तो तुरंत मेरे हेल्पलाइन पर अवगत अवगत करें उन्होंने बताया कि अब तक की आय 11 लाख अभी तक हुआ है और यात्रियों की संख्या 2800 से अधिक है। सहयोग में लेखा अधिकारी रोडवेज महेश चंद पांडे तथा हरिराम गिरी नितेश राय पंकज राय ब्रजेश उपाध्याय बृजेश सिंह दिनेश कुमार अन्य सहयोगी भी मौजूद रहे।

Entertainment News

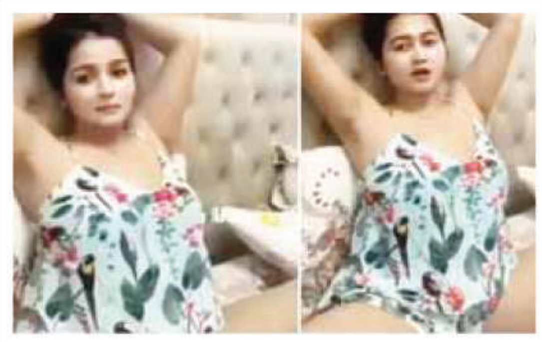

रश्मिका-कैटरीना के बाद
सामने आया
आलिया भट्ट का डीपफेक

बीते दिनों रश्मिका मंदाना का एक वीडियो सामने आया था, जिसे देखने के बाद खुद एक्ट्रेस ने चिंता जाहिर की थी। देखते ही देखते वीडियो वायरल होने लगा और बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने भी इसे लेकर पोस्ट शेयर किया। रश्मिका का मामला थमा नहीं था कि कैटरीना कैफ और काजोल का भी डीपफेक वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आईं। अब सिनेमा की टॉप एक्ट्रेस आलिया भट्ट भी डीपफेक के जाल में फंस गई हैं। एक्ट्रेस का हाल ही में एक वीडियो सामने आया है, जो बेहद अश्लील है। रश्मिका ने जताई थी चिंता एक बार को ये देखने के बाद लोग हैरान रह गए। लोगों ने एआई को बड़ा कंसर्न बताया और चिंता जाहिर भी की। लोगों को अब डर सता रहा है कि जब एआई के जाल से मशहूर हस्तियां नहीं बच पा रहीं तो वे कैसे ही बच सकते हैं। बीते दिनों जब रश्मिका मंदाना का भी वीडियो वायरल हुआ था तो खुद एक्ट्रेस ने इस मुद्दे पर चिंता जाहिर की थी। रश्मिका ने एआई को और इस तरह की हरकतों को गंभीर बताते हुए पोस्ट शेयर किया था।

चचेरी बहन जैसी मैरी ने उठाई आयरा-नूपुर शिकरे की शादी की
जिम्मेदारी

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान की बेटी आयरा खान ने पिछले वर्ष सगाई की थी, जिसके बाद फैंस को उनकी शादी लके बेसब्री से इंतजार रहा है। आमिर खान की बेटी इरा खान अपने बॉयफ्रेंड नूपुर शिकरे संग जनवरी 2024 में शादी के बंधन में बंधेंगी। कपल के प्री-वेडिंग की तस्वीरें पहले ही सोशल मीडिया पर वायरल हो रही थीं। अब आयरा ने एक और स्टोरी पोस्ट की है, जिसमें वे चचेरी बहन जैन मैरी के साथ नजर आ रही हैं। कयास लगाए जा रहे कि दोनों की शादी उनकी चचेरी बहन ही करवाएंगी। हाल ही में, जैन मैरी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर आयरा खान और नूपुर शिकरे के साथ तस्वीरें पोस्ट कीं। पहली तस्वीर में जैन को बीच में प्रमाण पत्र पकड़े हुए दिखाया गया है। वह सफेद और काले रंग की ड्रेस के ऊपर बैंगनी रंग का स्टोल पहने नजर आ रही हैं, जबकि आयरा बहन पर प्यार बरसाती नजर आ रही हैं। प्यारी तस्वीर साझा करते हुए जैन ने लिखा, वह एक हॉट पंडित है। मैं आप दोनों की शादी कराने के लिए इंतजार नहीं कर सकती।

ओरी इस काम
को करने के लिए लेते हैं २० से ३० लाख रुपये

स्टार्स और हसीनाओं के साथ अपनी करीबियों को लेकर छाए रहने वाले सोशल मीडियो सेंसेशन ओरी के नाम से मशहूर ओरहान अवात्रामणि इन दिनों खूब सुर्खियों में हैं। ऑरी एकमात्र ऐसे शख्स हैं जो हर सेलिब्रिटी के साथ साथ अंबानी परिवार की बहू बेटियों के भी बेहद करीब हैं। एक सोशलाइट होने के अलावा, ओरी का फैशन सेंस भी देखने लायक होता है। हाल ही में, जब उन्होंने विवादित रियलिटी शो बिग बॉस 17% में एंट्री की, तो अभिनेता सलमान खान के साथ उनकी बातचीत इंटरनेट पर वायरल हो गई। हाल ही में, ओरहान अवात्रामणि की एक क्लिप इंटरनेट पर वायरल हो रही है, जिसमें वह रियलिटी शो बिग बॉस 17 में सलमान खान से बात करते नजर आ रहे हैं। क्लिप में ओरी को यह कहते हुए सुना गया कि उन्हें पार्टी में शामिल होने के लिए पैसे नहीं मिलते हैं, लेकिन इसके बदले उन्हें उनके साथ पार्टी की तस्वीरें पोस्ट करने के लिए लगभग 20-30 लाख रुपए मिलते हैं। उन्होंने कहा, मुझे पैसा नहीं मिलता पार्टी में पहुंचने का.. लोग मुझसे बोलते हैं आओ मेरी शादी में.. मेरे साथ ऐसा पोज करो, मेरी बीवी के साथ पोज दो, मेरे बच्चे की फोटो लगाओ। उसके लिए मुझे 20-30 लाख मिलते हैं।

Bollywood Update

कमाई में बॉलीवुड हस्तियों को
पीछे छोड़ती है
टीवी की ये एक्ट्रेस

इस समय भारतीय टेलीविजन पर तेजस्वी प्रकाश, शहनाज गिल और हिना खान जैसी फेमस एक्ट्रेसेस की बेतहाशा फैन फॉलोइंग है। अपनी लोकप्रियता के कारण, ये एक्ट्रेसेस हर प्रोजेक्ट के लिए मोटी फीस लेती हैं। लेकिन इस बीच ये सवाल भी पैदा होता है कि सबसे अमीर टीवी एक्ट्रेस कौन हैं। आइए सब बताते हैं।

हिना खान
एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की सबसे अमीर टीवी एक्ट्रेस हिना खान हैं। ये रिश्ता क्या कहलाता है की एक्ट्रेस की अनुमानित कुल नेट वर्थ 52 करोड़ रुपये हैं। 36 वर्षीय एक्ट्रेस कथित तौर पर भारतीय टेलीविजन में सबसे अधिक भुगतान पाने वाली हीरोइनों में से एक है। बिग बॉस 11 और फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 8 के लिए वो फेमस हैं।

जेनिफर विंगेट
भारत की दूसरी सबसे अमीर टीवी एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट हैं। मीडिया के मुताबिक, एक्ट्रेस की कुल नेट वर्थ 49 करोड़ रुपये है।

दिव्यांका त्रिपाठी
अगले नंबर पर हैं ये हैं मोहब्बतें फेम दिव्यांका त्रिपाठी। नच बलिए 8 की विनर और फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 11 की रनर अप की नेट वर्थ लगभग 40 करोड़ रुपये हैं।

शिवांगी जोशी
ये रिश्ता क्या कहलाता है से मशहूर हुईं शिवांगी जोशी की कुल नेट वर्थ 37 करोड़ रुपये बताई जाती है।

शहनाज गिल
मीडिया के अनुसार, लगभग 30 करोड़ रुपये की नेट वर्थ के साथ, शहनाज गिल भी भारत की सबसे अमीर टीवी एक्ट्रेसेस में से एक हैं। थैंक यू फॉर कमिंग स्टार भले ही बिग बॉस 13 में तीसरे नंबर पर रहीं, लेकिन रियलिटी शो के दौरान और उसके बाद उनकी लोकप्रियता नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई। शहनाज पांचवे नंबर पर हैं।

खूब किया रोमांस लेकिन आज तक
कुआंरी हैं मल्लिका शेरावत

बॉलीवुड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत अपने बोल्ड अंदाज के लिए मशहूर हैं। मल्लिका शेरावत भले ही इन दिनों रुपहले परदे से दूर हैं लेकिन वो अपने फैंस से जुड़े रहने को कोई मौका हाथ से जाने नहीं देती हैं। मल्लिका शेरावत आए दिन फैंस के साथ अपनी एक से बढ़कर एक बेहतरीन तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। अब एक बार फिर से मल्लिका ने अपने बेहद सेक्सी तस्वीर फैंस के साथ शेयर की है जो कि इंटरनेट पर काफी तेजी से वायरल हो रही है। मल्लिका शेरावत इन तस्वीरों में अपना क्लीवेज फ्लॉन्ट करती दिखाई दे रही हैं। इसके साथ ही हसीना ने ऐसे ऐसे पोज दिए हैं कि हर किसी की किसी की नजर मल्लिका के ढलती उम्र वाले हुस्न से हटने का नाम ही नहीं ले रही है। मल्लिका की का ये वीडियो आग की तरह वायरल हो रहा है और फैंस इसपर दिल खोलकर लाइक और कमेंट की बरसात कर रहे हैं।

इस हॉलीवुड सिंगर की वजह से गोल्ड प्रेमी बने थे बप्पी लहरी

बॉलीवुड इंडस्ट्री के मशहूर पॉप सिंगर और संगीतकार बप्पी लहरी का आज जन्मदिन है। बप्पी दा का जन्म 27 नवंबर 1952 में पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में हुआ था। 80 के दशक में इंडस्ट्री में एंट्री करने वाले बप्पी लहरी ने काफी लंबे समय तक बॉलीवुड पर राज किया। उनके गानों ने बॉलीवुड में पॉप सिंगिंग की नई दिशा तय की। उनके चार्टबस्टर्स ने फैंस के बीच खूब धूम मचाई। जहां बप्पी लहरी को उनके झूम कर उठा देने वाले सुपरहिट गानों के लिए जाना गया वहीं उनका एक और अंदाज़ लोगों के बीच खूब चर्चित रहा। वो था उनका सोने के गहनों के प्रति गहरा प्यार। डिस्को किंग ही नहीं बप्पी को गोल्ड किंग के नाम से भी जाना जाता था।

खूब सोना पहनते थे बप्पी लहरी
जी हां, ये बात किसी से छुपी नहीं है कि अपने अंदाज की वजह से फिल्म इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाने वाले बप्पी दा को सोना पहनना कितना अच्छा लगता था। गानों के अलावा उन्हें अपनी सोने की जूलरी पहनने और गोल्ड प्रेम के लिए भी जाना जाता था। बप्पी एक इकलौते ऐसे सिंगर थे जो ढेर सारा सोना पहने नजर आते थे। गोल्ड के साथ-साथ उनके अच्छे -अच्छे कपड़ों को पहनने का भी खूब शौक रहा। उनके स्टाइल को देख लोग उन्हें आइकॉन कहने लगे।

इस शख्स की वजह से गोल्ड प्रेमी बने थे बप्पी
अपने गोल्ड प्रेम के बारे में खुद एक बार बप्पी ने इंटरव्यू में कहा था कि - एक हॉलीवुड आर्टिस्ट की वजह से उन्होंने सोना पहनना शुरू किया था। बप्पी ने कहा था, मैं हॉलीवुड सिंगर एल्विस प्रेस्ली को काफी पसंद करता था। वो हमेशा गले में सोने की एक चैन पहना करते थे और मुझे उनका ये अंदाज़ खूब पसंद आता था। जिसके बाद उन्होंने मन बनाया कि वो भी एक सफल सिंगर बनेंगे और उतना सोना पहनेंगे जितना वो सफल होंगे।

शॉर्ट फिल्में करना मुझे
बहुत पसंद है : विजय वर्मा

भारत में शॉर्ट फिल्म फोर्मेट में अग्रणी सीग्राम्स रॉयल स्टैग बैरल सलेक्ट लार्ज शॉर्ट फिल्म्स पेश करते हैं सलेक्ट फिल्म्स, सलेक्ट कन्वर्जेशन्स। इस शॉर्ट फिल्म प्लेटफॉर्म ने हमेशा से शॉर्ट फोर्मेट की फिल्म मेकिंग के लिए रचनात्मक वातावरण उपलब्ध कराकर इन्हें बढ़ावा दिया है। जिसके चलते यह भारत में शॉर्ट फिल्म्स के लिए सबसे बड़ा और सबसे भरोसेमंद गंतव्य बन गया है। चर्चा के दौरान दिग्गजों ने बताया कि किस तरह फुल लेन्थ की फिल्मों से आगे बढ़कर शॉर्ट फिर्ल्म्स, ओटीटी और एंथोलोजीज का विकास हुआ। इसके बाद रॉयल स्टैग बैरल सलेक्ट लार्ज शॉर्ट फिल्म्स की स्क्रीनिंग हुई। रॉयल स्टैग विश्वस्तरीय स्टोरीटैलिंग का निर्माण किया है। ऐसे में यह भारतीय शॉर्ट फिल्मों का मुख्य डेस्टिनेशन बन गया है।

विजय वर्मा
इस मौके पर अभिनेता विजय वर्मा ने कहा, ''रॉयल स्टैग बैरल सलेक्ट लार्ज शॉर्ट फिल्म्स के इस अनूठे प्लेटफॉर्म के साथ जुड़ने मेरे लिए बेहद खुशी की बात है। कोई भी अवसर जो कलाकारों का एक ही मंच पर लाता है। सिनेमा के बारे में बातचीत को बढ़ावा देता है, वह मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यह मेरे लिए नई चीज़ें सीखने का सुनहरा मौका है।

हुमा कुरेशी
अभिनेत्री हुमा कुरेशी ने कहा, ''यह देखकर अच्छा लगता है कि शॉर्ट फिल्म्स ऐसी शाम लेकर आए, जहां कलाकार और स्टोरीटैलर्स एक साथ मिलकर सिनेमा से जुड़े पहलुओं पर बातचीत कर रहे हैं। विभिन्न श्रेणियों से लेकर व्यक्तिगत पहलुओं तक, सब कुछ मजेदार है। उम्मीद करती हूं कि भविष्य में भी मुझे ऐसे अवसर मिलते रहेंगे।

कल्कि कोचलिन
अभिनेत्री कल्कि कोचलिन ने कहा- आज की दुनिया में कंटेंट कंजप्शन के तरीके बदल रहे हैं, यह भारतीय सिनेमा के लिए बेहतरीन समय है। हमारी इंडस्ट्री बदलाव के दौर से गुजर रही है, इस तरह का प्लेटफॉर्म सकारात्मक बदलाव लेकर आता है। मुझे खुशी है कि शॉर्ट फिल्म्स की वजह से मुझे सिनेमा की दुनिया में और गहराई में जाने का मौका मिला।

स्वनंद किरकिरे
गीतकार और अभिनेता स्वनंद किरकिरे ने प्लेटफॉर्म के बारे में बात करते हुए कहा, 'जब से मैंने अपना करियर शुरू किया, भारतीय फिल्म उद्योग लगातार तेजी से विकसित हुआ है। आज कई तरह की फिल्में बन रहीं हैं और दर्शक इन्हें खूब पसंद कर रहे हैं।

आपको बता दें कि रॉयल स्टैग बैरल सलेक्ट लार्ज शॉर्ट फिल्म्स भारतीय शॉर्ट फिल्मों के लिए महत्वपूर्ण डेस्टिनेशन बन गया है, जहां दर्शक बेहतरीन फिल्मों का अनुभव पा सकते हैं। अहल्या, चटनी, देवी और अनुकूल ऐसी ही कुछ शानदार फिल्में हैं जिन्हें इस प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया।

संक्षिप्त खबरें

ट्रू नॉर्थ ने पूंजी जुटाई

मुंबई। घरेलू निजी इक्विटी कोष 'ट्रू नॉर्थ' ने सोमवार को निजी इकाइयों को कर्ज देने के क्षेत्र में कदम रखने की घोषणा की। कंपनी ने कहा कि वह इस साल के अंत तक जरूरी वित्त जुटा लेगी। ट्रू नॉर्थ ने कहा कि वह 2022 में स्थापित एक कोष के तहत पहले ही 1,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि जुटा चुकी है। उसने इस कोष के इस साल के अंत तक पूरा हो जाने की उम्मीद जताई। कंपनी ने कहा कि वह निजी ऋण कारोबार 'ट्रू नॉर्थ प्राइवेट क्रेडिट' को बीते दो दशकों में तैयार अपनी क्षमताओं के आधार पर खड़ा करेगी।

टाटा स्टील में नियुक्ति

नई दिल्ली। टाटा स्टील ने अक्षय खुल्लर को कंपनी का उपाध्यक्ष (इंजीनियरिंग एवं प्रोजेक्ट) नियुक्त करने की सोमवार को घोषणा की। टाटा स्टील ने पीयूष गुप्ता को कंपनी के समूह की रणनीतिक खरीद व आपूर्ति श्रृंखला 'टीक्यूएम' का फिर से उपाध्यक्ष नियुक्ति किया गया है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा, 'वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिक के लिए कंपनी की उत्तराधिकार योजना के संदर्भ में अक्षय खुल्लर को एक दिसम्बर 2023 से इंजीनियरिंग व प्रोजेक्ट के उपाध्यक्ष (नामित) के तौर पर और एक फरवरी 2024 से इंजीनियरिंग व प्रोजेक्ट के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया जा रहा है।'

बायजू में सीटीओ बने जिनी

नई दिल्ली। बायजू ने इंजीनियरिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जिनी थाटिल को अपना मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी नियुक्त किया है। थाटिल ने अनिल गोयल का स्थान लिया। गोयल तीन वर्ष तक मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) के पद पर सेवा देने के बाद कंपनी छोड़ रहे हैं। बायजू के सीईओ अर्जुन मोहन ने कहा, 'हमें बायजू के सीटीओ के रूप में जिनी थाटिल को पदोन्नत करते हुए खुशी हो रही है। उनका व्यापक अनुभव व नेतृत्व कौशल उन्हें इस महत्वपूर्ण भूमिका के लिए आदर्श उम्मीदवार बनाता है।"

ब्लू डार्ट विस्तार करेगी

नई दिल्ली। लॉजिस्टिक सेवा प्रदान करने वाली कंपनी ब्लू डार्ट एक्सप्रेस लिमिटेड ने 40 नई फ्रेंचाइजी और कंपनी के स्वामित्व वाली खुदरा दुकानों के उद्घाटन के साथ देशव्यापी विस्तार की अपनी योजना की सोमवार को घोषणा की। इस विस्तार के साथ कंपनी ने इस साल 100 से अधिक नए स्टोर के साथ अपनी उपस्थिति बढ़ाई, जिससे ग्राहकों को पूरे भारत में 56,000 से अधिक स्थानों पर माल भेजने में मदद मिलेगी। कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, कोलकाता, दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में यह विस्तार पूरे देश में ब्लू डार्ट की पहुंच को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नई बसों की बिक्री में तेजी से बढ़ी ई-बस की हिस्सेदारी

■ वर्ष 2025 तक बढ़कर 13 फीसद पर पहुंचने की उम्मीद ■ कई राज्यों में ई-बस अपनाने के लिए नीति बनाई गई

नई दिल्ली (भाषा)।

वित्त वर्ष 2025 तक नई बस बिक्री में इलेक्ट्रिक बसों की हिस्सेदारी 13 प्रतिशत तक होने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने सोमवार को यह बात कही।

इक्रा के अनुसार, कई राज्य इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीतियों में ई-बस अपनाने के लिए विशिष्ट लक्ष्य तथा समयसीमा की घोषणा की है। विद्युतीकरण के लिए एक खाका तैयार किया गया है।

एजेंसी ने कहा कि पारंपरिक डीजल बसों की तुलना में महत्वपूर्ण परिचालन बचत के साथ उसे उम्मीद है कि ई-बसों की मांग में वृद्धि जारी रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया, 'इक्रा को उम्मीद है कि इलेक्ट्रिक बसें भारत के विद्युतीकरण अभियान में सबसे आगे रहेंगी।

इक्रा का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025 तक नई बस बिक्री में ई-बसों की हिस्सेदारी 11-13 प्रतिशत होगी।' रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी सब्सिडी और विकसित हो रही प्रौद्योगिकियां ई-बसों में शामिल पूंजीगत लागत को और कम करने में भूमिका निभा सकती है।

सरकार ने भी हाल ही में पीएम ई-बस सेवा योजना की भी घोषणा की है। योजना के तहत लक्ष्य सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत 169 शहरों में 10,000 ई-बसें उपलब्ध कराना है।

चीन में प्रमुख एनबीएफसी के दिवालिया होने की जांच

हांगकांग (एपी)।

चीन की प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) झोंगझी एंटरप्राइज ग्रुप में संभावित अपराध को लेकर पुलिस जांच कर रही है। बीजिंग पब्लिक सिक्योरिटी ब्यूरो ने बताया कि एनबीएफसी ने कुछ ही दिन पहले निवेशकों को बताया है कि वह दिवालिया हो चुकी है।

पुलिस ने जांच के लिए कई संदिग्धों के खिलाफ कदम उठाए है व प्रभावित निवेशकों से शिकायत दर्ज करने का आग्रह किया है। बयान के अनुसार, ''निवेशकों से जांच और साक्ष्य एकत्र करने में पुलिस के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करने और कानूनी चैनलों के माध्यम से अपने अधिकारों और हितों की रक्षा करने का आग्रह है।'

दिल्ली एयरपोर्ट पर लगेगी एआई आधारित प्रणाली

नई दिल्ली (भाषा)। दिल्ली हवाई अड्डे पर यात्रियों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए परिचालन को बेहतर करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) पर आधारित विश्लेषण और कैमरा-आधारित समाधानों का इस्तेमाल किया जाएगा। देश के सबसे बड़े हवाई अड्डे का परिचालन करने वाली कंपनी दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विदेह कुमार जयपुरियार ने यह जानकारी दी।

जयपुरियार ने कहा, 'हम परिचालन के लिए अधिक डिजिटल समाधान अपनाने के बारे में सोच रहे है। ये समाधान इंटरनेट-ऑफ-थिंग्स (आईओटी) और कृत्रिम मेधा पर आधारित हो सकते है। हम हवाई अड्डा परिचालन को बेहतर करने के लिए अनुमानपरक विश्लेषण का इस्तेमाल करेंगे।' दिल्ली हवाई अड्डे पर प्रतिदिन करीब 1,500 उड़ानें संचालित होती है। यहां पर यात्रियों की आवाजाही भी चालू वित्त वर्ष के अंत तक बढ़कर सात करोड़ से अधिक हो जाने का अनुमान है। इस हवाई अड्डे पर तीन टर्मिनलों- टी1, टी2 और टी3 से उड़ानें संचालित होती है। डायल हवाई अड्डे पर बढ़ती आवाजाही को देखते हुए अपना परिचालन स्तर सुधारने की कोशिश में है। दरअसल पिछले साल सर्दियों के मौसम में हवाई अड्डे पर यात्रियों को भीड़ बढ़ने से काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ा था। जयपुरियार ने कहा कि पिछले साल की घटना के 15 दिनों के भीतर ही हवाई अड्डे पर यात्री प्रवेश द्वारों की संख्या बढ़ा दी गई थी।

इसके अलावा यूरोप में इस्तेमाल होने वाली हवाई अड्डा परिचालन केंद्र (एपीओसी) प्रणाली भी लागू की जा रही है। इस प्रणाली की मदद से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि किसी खास समय में हवाई अड्डे पर कितने यात्री मौजूद रह सकते है। इसके आधार पर जरूरी तैयारियां पहले से ही की जा सकती है।

अडाणी समूह ने दी सफाई

उत्तराखंड सुरंग के निर्माण से हमारा कोई संबंध नहीं

नई दिल्ली (भाषा)।

उद्योगपति गौतम अडाणी के समूह ने सोमवार को कहा कि उत्तराखंड की सिलक्यारा सुरंग के निर्माण में उनकी कोई प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी नहीं है। सुरंग का एक हिस्सा ढहने के बाद से 41 मजदूर उसमें अभी तक फंसे हुए है।

अडाणी समूह के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा कि सुरंग के निर्माण में शामिल कंपनी में समूह का कोई स्वामित्व या हिस्सेदारी नहीं है। उल्लेखनीय है कि सोशल मीडिया के एक हिस्से में सिलक्यारा सुरंग के निर्माण में अडाणी समूह के शामिल होने का संदेह जताया गया है। प्रवक्ता ने कहा, 'हम स्पष्ट करते है कि अडाणी समूह या उसकी किसी अनुषंगी कंपनी की सुरंग के निर्माण में किसी भी प्रकार की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष भागीदारी नहीं है। हम यह भी स्पष्ट करते है कि सुरंग के निर्माण में शामिल कंपनी में हमारी कोई हिस्सेदारी नही है।'

यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर बन रही सिलक्यारा सुरंग का एक हिस्सा 12 नवंबर को ढह गया था। इससे उसमें काम कर रहे 41 मजदूर फंस गए हैं।

अगले साल जनवरी से महंगी होंगी कारें

■ मारुति व ऑडी ने किया दाम बढ़ाने का ऐलान, अन्य कंपनियां भी बढ़ाएंगी दाम

नई दिल्ली (भाषा)।

वाहन कंपनियों ने नए साल में कारों के दाम बढ़ाने की तैयारी की है। मारुति ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा है कि वह जनवरी 2024 से कीमतें बढ़ाने जा रही है जबकि जर्मन कार कंपनी ऑडी ने भी कीमतों में दो फीसद इजाफा करने का ऐलान किया है। उम्मीद की जा रही है कि जनवरी से लगभग सभी कंपनियां अपनी कारों के दाम बढ़ाने का ऐलान कर सकती हैं।

मारु ति सुजुकी इंडिया ने समग्र मुद्रास्फीति तथा बढ़ी हुई जिंस दरों के कारण लागत दबाव का हवाला देते हुए सोमवार को कहा कि वह जनवरी 2024 में अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाने की योजना बना रही है।

कंपनी कम कीमत की छोटी कार ऑल्टो से लेकर मल्टी-यूटिलिटी वाहन इनविक्टो तक वाहनों की एक श्रृंखला बेचती है। इनकी कीमत 3.54 लाख रुपये से 28.42 लाख रुपये (एक्स-शोरूम दिल्ली) के बीच है। हालांकि, कंपनी ने अब दाम

कितने बढ़ाए जाएंगे इसकी कोई जानकारी नहीं दी।

मारुति सुजुकी इंडिया ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा, 'कंपनी ने समग्र मुद्रास्फीति और बढ़ी हुई जिंस कीमतों के चलते लागत दबाव में वृद्धि के कारण जनवरी 2024 में अपनी कारों की कीमतें बढ़ाने की योजना बनाई है।'

उधर जर्मनी की लक्जरी कार निर्माता कंपनी ऑडी ने कच्चे माल की मांग और परिचालन लागत बढ़ने का हवाला देते हुए सोमवार को कहा कि वह अगले साल जनवरी से भारत में अपने वाहनों की कीमतें दो प्रतिशत तक बढ़ाएगी। ऑडी इंडिया की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, कीमतों में बढ़ोतरी एक जनवरी 2024 से प्रभावी होगी और सभी मॉडल रेंज में बढ़ोतरी होगी। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने एक बयान में कहा, 'आपूर्ति-श्रृंखला-संबंधित कच्चे माल की बढ़ती मांग और परिचालन लागत के कारण हमने ब्रांड की प्रीमियम मूल्य स्थिति को बनाए रखते हुए अपने मॉडल रेंज में मूल्य सुधार किया है।'

शहरी गैस वितरण के नए दौर में मिजोरम भी शामिल

नई दिल्ली (भाषा)।

तेल एवं गैस नियामक पीएनजीआरबी ने खुदरा सीएनजी और पाइप से रसोई गैस की आपूर्ति के लिए आमंत्रित बोली के नए दौर में मिजोरम को भी शामिल कर लिया है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने एक नोटिस में कहा है कि सात भौगोलिक क्षेत्रों में शहरी गैस वितरण नेटवर्क के विकास के लिए 13 अक्टूबर को आमंत्रित बोलियों के क्रम में मिजोरम के लिए भी इलेक्ट्रॉनिक बोलियां मंगाई गई है।

गैस वितरण का लाइसेंस पाने के लिए बोली लगाने की आखिरी तारीख 23 फरवरी है। पीएनजीआरबी ने सीएनजी की खुदरा बिक्री और पाइप से घरों और उद्योगों तक गैस पहुंचाने के लिए आयोजित 12वें शहरी गैस

वितरण (सीजीडी) बोली दौर में अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर, नगालैंड, सिक्किम और केंद्रशासित प्रदेशों जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख के सात भौगोलिक क्षेत्रों की पेशकश की थी।

उस समय मिजोरम को भी इस दौर में शामिल करने के लिए चिह्नित किया गया था लेकिन वहां पर विधानसभा चुनावों का ऐलान हो जाने से ऐसा नही हो पाया था। मिजोरम में सात नवम्बर को मतदान संपन्न हो चुका है जिसके बाद उसे शहरी गैस वितरण के नए दौर में शामिल कर लिया गया है। इस दौर के सफल होने पर अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप को छोड़कर देश का समूचा भौगोलिक क्षेत्र और आबादी तक गैस वितरण की पहुंच हो जाएगी।

पवन ऊर्जा परियोजनाओं का अधिग्रहण करेगी सेम्बकार्प

नई दिल्ली (भाषा)।

नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी सेम्बकार्प इंडस्ट्रीज ने 20 करोड़ सिंगापुरी डालर (करीब 1,247 करोड़ रुपये) में चीन और भारत में 428 मेगावाट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजनाओं के अधिग्रहण के लिए दो समझौतों पर हस्ताक्षर किए है।

कंपनी ने कहा कि टेमासेक होल्डिंग्स द्वारा समर्थित सिंगापुर की ऊर्जा कंपनी लीप ग्रीन एनर्जी की 228 मेगावाट की परिचालन पवन ऊर्जा परियोजनाओं का सात करोड़ सिंगापुरी डालर और किनझोउ युआननेंग की 200 मेगावाट की परियोजनाओं का 13 करोड़ सिंगापुरी डालर में अधिग्रहण किया जाएगा।

खाड़ी देशों को निर्यात बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्ली (भाषा)। वाणिज्य मंत्रालय उप-सहारा अफ्रीकी और खाड़ी देशों में निर्यात बढ़ाने के लिए कदम उठा रहा है। इसके तहत, मंत्रालय नाइजीरिया, इथियोपिया, घाना जैसे उप-सहारा अफ्रीकी देशों और खाड़ी देशों में घरेलू उत्पादों के लिए गैर-शुल्क बाधाओं तथा बाजार पहुंच से संबंधित मुद्दों से निपटने की दिशा में काम कर रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि उप-सहारा अफ्रीकी देशों के भारतीय दूतावास के साथ बैठकें की गई है, जिनके साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार अच्छा है।

वित्त वर्ष 2022-23 में उस क्षेत्र में भारत का प्रमुख व्यापार भागीदार दक्षिण अफ्रीका रहा जिसके साथ कुल व्यापार 18.9 अरब अमेरिकी डालर का हुआ जिसमें से निर्यात 8.5 अरब अमेरिकी डालर का था। नाइजीरिया के साथ कुल व्यापार 11.85 अरब अमेरिकी डालर का था। इसमें से निर्यात 5.15 अरब अमेरिकी डालर का रहा। टोगो के साथ कुल व्यापार 6.6 अरब अमेरिकी डॉलर जिसमें से निर्यात छह अरब अमेरिकी डॉलर का रहा और तंजानिया के साथ कुल व्यापार 6.5 अरब अमेरिकी डॉलर हुआ।

यूपी में बहीं दूध की नदियां दुग्ध उत्पादन में सबसे आगे

गुवाहाटी (भाषा)।

देश में दूध, अंडा और मांस के उत्पादन में 2022-23 से पिछले पांच वर्षों के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां तक बात है दूध और मांस उत्पादन की तो इन दोनों चीजों के उत्पादन में यूपी ने बाजी मार ली है। यहां जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। यह रिपोर्ट पशु एकीकृत नमूना सर्वेक्षण (मार्च 2022 से फरवरी 2023) पर आधारित है। सर्वेक्षण पूरे देश में तीनों मौसमों गर्मी (मार्च-जून), मानसून (जुलाई-अक्टूबर) और सर्दी (नवंबर-फरवरी) में किया जाता है।

रिपोर्ट में कहा गया कि वर्ष 2022-23 के दौरान देश में दुग्ध उत्पादन 23.05 करोड़ टन होने का अनुमान है। इसमें पिछले पांच वर्षों में 22.81 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इससे पहले 2018-19 में दुग्ध उत्पादन 18.77 करोड़ टन था। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2021-22 के अनुमान से वर्ष 2022-23 के दौरान उत्पादन 3.83 प्रतिशत बढ़ गया है। वर्ष 2018-19 में वार्षिक वृद्धि दर 6.47 प्रतिशत, वर्ष 2019-20 में 5.69 प्रतिशत, वर्ष 2020-21 में 5.81 प्रतिशत और वर्ष 2021-22 में 5.77 प्रतिशत थी।

रिपोर्ट में कहा गया कि वर्ष 2022-23 के दौरान दुग्ध उत्पादन में सबसे आगे उत्तर प्रदेश था, जिसकी कुल दुग्ध उत्पादन में हिस्सेदारी 15.72 प्रतिशत थी। इसके बाद राजस्थान (14.44 प्रतिशत), मध्य प्रदेश (8.73 प्रतिशत), गुजरात (7.49 प्रतिशत) और आंध्र प्रदेश (6.70 प्रतिशत) का स्थान था। वार्षिक वृद्धि दर (एजीआर) के संदर्भ में, पिछले वर्ष की तुलना में सबसे अधिक वार्षिक वृद्धि दर कर्नाटक (8.76 प्रतिशत) में दर्ज की गई। इसके बाद पश्चिम बंगाल (8.65 प्रतिशत) और उत्तर प्रदेश (6.99 प्रतिशत) का स्थान रहा।

रिपोर्ट में कहा गया कि देश में कुल अंडा उत्पादन 138.38 अरब होने का अनुमान है। वर्ष 2018-19 के दौरान 103.80 अरब अंडों के उत्पादन के अनुमान की तुलना में वर्ष 2022-23 के दौरान पिछले पांच वर्षों में 33.31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। देश के कुल अंडा उत्पादन में सबसे आगे आंध्र प्रदेश रहा है, जिसकी हिस्सेदारी 20.13 प्रतिशत है। इसके बाद तमिलनाडु (15.58 प्रतिशत), तेलंगाना (12.77 प्रतिशत), पश्चिम बंगाल (9.94 प्रतिशत) और कर्नाटक (6.51 प्रतिशत) का स्थान है।

वार्षिक वृद्धि दर (एजीआर) के संदर्भ में, सबसे अधिक वृद्धि पश्चिम बंगाल में (20.10 प्रतिशत) दर्ज की गई। इसके बाद सिक्किम (18.93 प्रतिशत) और उत्तर प्रदेश (12.80 प्रतिशत) का स्थान रहा।

रिपोर्ट में कहा गया कि वर्ष 2022-23 के दौरान देश में कुल मांस उत्पादन 97.7 लाख टन होने का अनुमान है। वर्ष 2018-19 में 81.1 लाख टन के अनुमान की तुलना में पिछले पांच वर्षों में 20.39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। कुल मांस उत्पादन में 12.20 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ उत्तर प्रदेश सबसे आगे है। इसके बाद पश्चिम बंगाल (11.93 प्रतिशत), महाराष्ट्र (11.50 प्रतिशत), आंध्र प्रदेश (11.20 प्रतिशत) और तेलंगाना (11.06 प्रतिशत) का स्थान है।

अमेजन ने प्रतिभा निखारने को शुरू किया कार्यक्रम

मुंबई (भाषा)।

अमेजन इंडिया ने पढ़ने-लिखने में अक्षम प्रतिभाशाली लोगों के लिए 'ऑरोरा' नामक एक कार्यक्रम शुरू करने की सोमवार को घोषणा की। इस कार्यक्रम के तहत इन लोगों की प्रतिभा को निखारा जाएगा और उन्हें रोजगार प्रदान किया जाएगा।

अमेजन इंडिया के एक बयान के अनुसार ई-कामर्स कंपनी ने मुंबई स्थित गैर-लाभकारी संगठन सोल एआरसी के साथ शुरुआती स्तर पर इस कार्यक्रम को पेश किया। इसके जरिए कंपनी के मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद 'डिलिवरी' स्टेशन में युवाओं की तैनाती की जाएगी।

इमटेक्स प्रदर्शनी में 18 देशों के 500 उद्यमी होंगे शामिल

नई दिल्ली (भाषा)।

धातु निर्माण और विनिर्माण प्रौद्योगिकियों के लिए अगले साल जनवरी में बेंगलुरु में होने वाली एशिया की सबसे बड़ी प्रदर्शनी 'इमटेक्स फॉर्मिंग 2024' में 18 देशों के लगभग 500 उद्यमी अपने उत्पादों को प्रदर्शित करेंगे।

इंडियन मशीन टूल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएमटीएमए) के महानिदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जिबक दासगुप्ता ने एक बयान में कहा, 'धातु निर्माण क्षेत्र की कंपनियों के लिए आर्थिक दृष्टिकोण आशाजनक दिख रहा है और इमटेक्स फॉर्मिंग इस वादे को साकार करने में उत्प्रेरक की भूमिका निभाएगी।'

इमटेक्स फॉर्मिंग का यह संस्करण प्रौद्योगिकी पेशकश के मामले में बहुत व्यापक है, जिसमें चार प्रदर्शनियां वेल्डएक्सपो, मोल्डेक्स इंडिया, टूलटेक और फास्टनेक्स इंडिया शामिल है।

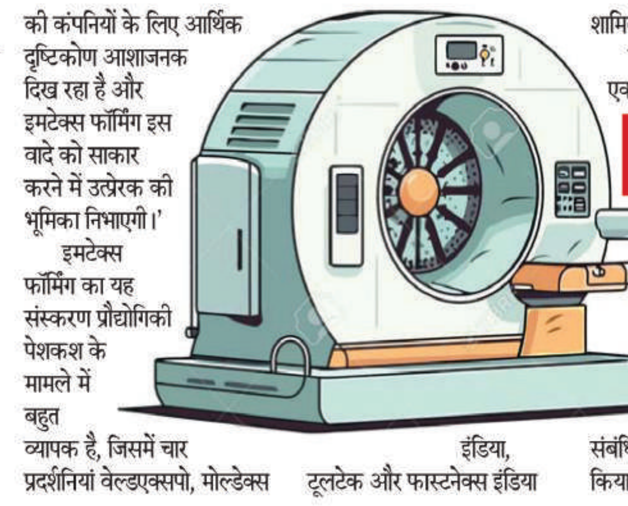

■ 19 से 23 जनवरी 2024 तक बेंगलुरु में आयोजित की जाएगी यह महत्वपूर्ण प्रदर्शनी

टूलटेक मशीन टूल एक्सेसरीज, फॉर्मिंग टूल्स, डाई और मोल्ड, मेट्रोलॉजी, सीएडी/सीएएम और डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग पर केंद्रित रहेगा।

वेल्डएक्सपो में वेल्डिंग (जोड़ने) और कटिंग (काटने) से संबंधित प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया जाएगा।

मेस्सी स्टटगार्ट द्वारा आयोजित मोल्डेक्स इंडिया और फास्टनेक्स इंडिया, मोल्डिंग और फास्टनर प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित रहेंगे।

आईएमटीएमए 19 से 23 जनवरी, 2024 तक बेंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र (बीआईईसी) में अपने प्रमुख एक्सपो इम्टेक्स फॉर्मिंग 2024 के आठवें संस्करण का आयोजन करेगा।

देश में सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता में 47% की गिरावट

■ चालू कैलेंडर वर्ष के पहले नौ माह में आई है यह गिरावट ■ इस अवधि में 5.6 गीगावाट रहा सौर ऊर्जा उत्पादन

नई दिल्ली (भाषा)।

भारत में 2023 में जनवरी से सितम्बर में सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता 47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5.6 गीगावॉट रही। परियोजना के पूर्ण होने में देरी के कारण यह गिरावट आई। अनुसंधान कंपनी मेरकॉम इंडिया ने यह जानकारी दी।

अनुसंधान कंपनी के अनुसार, इस साल जुलाई-सितम्बर तिमाही में भी सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता 34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1.9 गीगावॉट रही। पिछले साल समान अवधि में यह 2.8 गीगावॉट से अधिक थी।

हालांकि, तिमाही आधार पर 2023 की दूसरी तिमाही में 1.8 गीगावाट की तुलना में सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता में करीब छह प्रतिशत की वृद्धि हुई।

'मेरकॉम इंडिया सोलर मार्केट अपडेट' रिपोर्ट के अनुसार, '2023 के पहले नौ महीनों में भारत में 5.6 गीगावॉट सौर ऊर्जा स्थापित की गई। 2022 में समान अवधि में स्थापित 10.5 गीगावाट की तुलना में यह 47 प्रतिशत कम है।'

'मेरकॉम कैपिटल ग्रुप' के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राज प्रभु ने कहा, 'महत्वपूर्ण नकारात्मक घटनाक्रमों को छोड़कर 2024 में इसमें तेजी से वृद्धि होनी चाहिए। अब गिरती कीमतें ('पेड' उत्पादों की) धीमी वृद्धि (पहले बढ़ती कीमतों की तुलना में) का कारण है क्योंकि डेवलपर और इंस्टॉलर अंतिम समय तक खरीद को आगे धकेलते है। उम्मीद है कि बाजार 2024 की पहली तिमाही में अपेक्षित मांग को संभाल पाएगा और स्थिति बेहतर होगी।'

सौर ऊर्जा के अलावा देश में पवन ऊर्जा तकनीक से भी बिजली का उत्पादन हो रहा है लेकिन इस तकनीक से बिजली का उत्पादन अभी ज्यादा नहीं है।

गुजरात ने शुभमन को बनाया कप्तान, पंड्या के हटने के बाद लिया फैसला

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

गुजरात टाइटंस ने मुंबई इंडियन्स के पास वापस लौटने के हार्दिक पंड्या के फैसले के बाद इंडियन प्रीमियर लीग के 2024 सत्र के लिए सोमवार को शुभमन गिल को कप्तान नियुक्त किया। गुजरात टाइटंस को मुंबई इंडियन्स से 15 करोड़ रुपए के अलावा स्थानांतरण फीस के तौर पर मोटी राशि भी मिलेगी जिसका एक हिस्सा इस क्रिकेटर के पास भी जाएगा। पंड्या के टीम का साथ छोड़ने की पुष्टि होने के बाद 24 वर्षीय सलामी बल्लेबाज गिल स्पष्ट रूप से कप्तान के रूप में पहली पसंद थे जिन्होंने पिछले सत्र में 890 रन के साथ प्रतिष्ठित 'ऑरेंज कैप' हासिल की थी। गिल का यह प्रदर्शन विराट कोहली के एक सत्र में 973 रन के सर्वकालिक रिकॉर्ड के बाद दूसरे स्थान पर है।

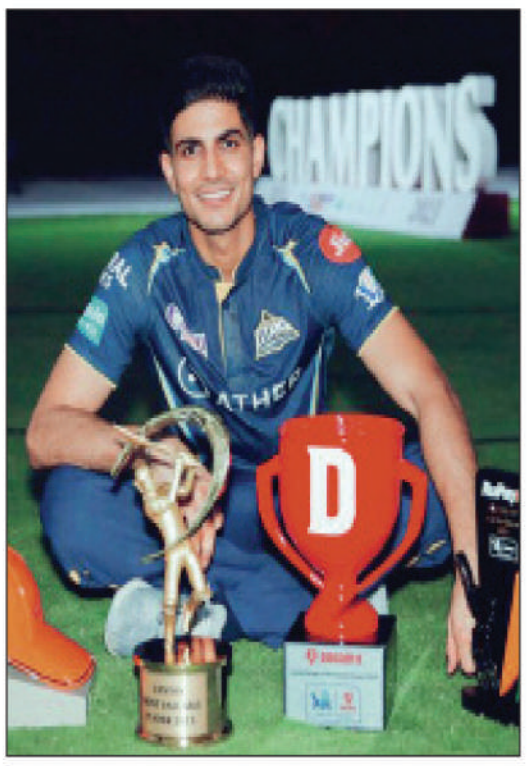

'मुझे गुजरात टाइटंस की कप्तानी संभालने पर खुशी और गर्व है और इतनी अच्छी टीम का नेतृत्व करने के लिए मुझ पर भरोसा करने के लिए फ्रेंचाइजी को धन्यवाद देता हूं। हमारे दो असाधारण सत्र रहे हैं और मैं क्रिकेट के हमारे रोमांचक ब्रांड के साथ टीम का नेतृत्व करने के लिए उत्सुक हूं।'

- शुभमन गिल

'इसके साथ इतनी सारी शानदार यादें ताजा हो गईं। मुंबई। वानखेड़े। पल्टन। वापसी करके अच्छा लग रहा है।'

- हार्दिक पंड्या

टाइटंस ने की पंड्या की सराहना

टाइटंस के टीम निदेशक विक्रम सोलंकी ने पिछले दो सत्र में टीम की सफलता में पंड्या के योगदान की सराहना की। सोलंकी ने बयान में कहा, 'गुजरात टाइटंस के पहले कप्तान के रूप में हार्दिक पंड्या ने फ्रेंचाइजी को दो सत्र में शानदार प्रदर्शन करने में मदद की जिसमें टीम ने एक बार आईपीएल खिताब जीता और एक बार उप विजेता रही।' इंग्लैंड के इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा, ''उन्होंने अब अपनी शुरुआती टीम मुंबई इंडियन्स में लौटने की इच्छा जताई है। हम उनके फैसले का सम्मान करते हैं और भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।'

सुखद घर वापसी : अंबानी

मुंबई इंडियंस की मालिक नीता अंबानी और आकाश अंबानी दोनों ने पंड्या की वापसी को 'सुखद घर वापसी' बताया। नीता ने कहा, 'हम हार्दिक की घर वापसी का स्वागत करते हुए रोमांचित हैं! यह हमारे मुंबई इंडियंस परिवार के साथ एक सुखद पुनः मिलन है। मुंबई इंडियन्स की एक युवा प्रतिभा से लेकर अब टीम इंडिया के स्टार बनने तक हार्दिक ने लंबा सफर तय किया है और हम उसके और मुंबई इंडियन्स के भविष्य को लेकर उत्साहित हैं।' आकाश ने कहा, 'यह सुखद घर वापसी है। वह जिस भी टीम के साथ खेलते हैं उसे बेहतरीन संतुलन प्रदान करते हैं। मुंबई इंडियन्स परिवार के साथ हार्दिक का पहला जुड़ाव बेहद सफल रहा था और हमें उम्मीद है कि वह अपने दूसरे जुड़ाव में और भी अधिक सफलता हासिल करेंगे।'

खबर संक्षेप

ओलंपिक निशानेबाजी ट्रायल तीन मई से

नई दिल्ल। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ 2024 पेरिस ओलंपिक के लिये पिस्टल और राइफल चयन ट्रायल तीन और 23 मई को क्रमशः दिल्ली और भोपाल में आयोजित करेगा। एनआरएआई ने यहां जारी बयान में कहा कि पहला ट्रायल तीन मई को कर्णी सिंह रेंज पर होगा जबकि दूसरा 23 मई को भोपाल में आयोजित होगा। दो-दो सेट के चार ट्रायल आयोजित किए जाएंगे और अंतिम औसत स्कोर के लिए सर्वश्रेष्ठ तीन स्कोर गिने जाएंगे। पेरिस ओलंपिक के लिए टीम चुनने के संशोधित मानदंडों के अनुसार फायर आर्म में ओलंपिक कोटाधारकों को एफएएस के अलावा दो बोनस अंक दिए जाएंगे।

हरमनप्रीत के दो गोल से फाइनल में पहुंचा पंजाब

चेन्नई। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक विजेता भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल की मदद से पंजाब ने कर्नाटक को 5-1 से हराकर सोमवार को 13वीं सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। हरमनप्रीत ने 39वें और 44वें मिनट में गोल दागे। मिडफील्डर शमशेर सिंह ने चौथे मिनट में पंजाब के लिए पहला गोल किया। सुखजीत सिंह ने 13वें और आकाशदीप सिंह ने 45वें मिनट में गोल किए। कर्नाटक के लिए एकमात्र गोल बी आभारन सुदेव ने 18वें मिनट में किया। पंजाब का सामना फाइनल में हरियाणा से होगा जिसने शूटआउट में मेजबान तमिलनाडु को 4-2 से हराया। निर्धारित 60 मिनट के बाद स्कोर 1-1 से बराबर था। भारतीय फॉरवर्ड अभिषेक ने 41वें मिनट में गोल किया जबकि बी पी सोमन्ना ने बराबरी का गोल दागा। शूटआउट में संजय, रजत, अभिषेक और जोगिंदर सिंह ने हरियाणा के लिए गोल किए जबकि गोलकीपर पवन ने अहम गोल बचाए।

क्रिकेट : पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय है टीम इंडिया

टी20 सीरीज जीतने उतरेगा भारत आस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच आज

एजेंसी ▸▸| गुवाहाटी

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में जीत के साथ पांच मैच की श्रृंखला में विजयी बढ़त बनाने के इरादे से उतरेगी। विश्व कप फाइनल के बाद श्रेयस अय्यर को एक हफ्ते का आराम दिया गया था लेकिन रायपुर और बेंगलुरु में होने वाले अंतिम दो मुकाबलों के लिए वह टीम में वापसी करेंगे और ऋतुराज गायकवाड़ की जगह उप कप्तान की भूमिका निभाएंगे।

इसका मतलब है कि अय्यर को अंतिम एकादश में जगह मिलेगी और पूरी संभावना है कि वह तिलक वर्मा की जगह लेंगे। यह बदलाव हालांकि फॉर्म से अधिक संयोजन के कारण होगा। शुरुआती दो मुकाबलों में बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन के बाद युवा खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली भारतीय टीम बारसापारा स्टेडियम पर भी अपना दबदबा बनाना चाहेगी जहां की पिच पारंपरिक रूप से बल्लेबाजी की अनुकूल होती है। इस मुकाबले के लिए 40 हजार दर्शकों के स्टेडियम में आने की उम्मीद है और उन्हें भारत के प्रतिभावान बल्लेबाजी क्रम से एक बार फिर दबदबे वाली बल्लेबाजी की उम्मीद होगी। भारतीय बल्लेबाज शुरुआती दो मैच में 36 चौके और 24 छक्के जड़ चुके हैं।

फार्म में भारत के शेर

भारत के शीर्ष क्रम ने शुरुआती दो मैच में अच्छा प्रदर्शन किया है। यशस्वी जायसवाल, रुतुराज गायकवाड़ और कप्तान सूर्यकुमार यादव अर्धशतक जड़ने में सफल रहे हैं। विश्व कप के दौरान लगभग साढ़े पांच हफ्ते बेंच पर बिताने के बावजूद इशान किशन अच्छी लय में दिखे और उन्होंने लगातार दो अर्धशतक जड़े हैं। रिंकू सिंह दोनों मैचों में निचले क्रम में उम्दा पारियां खेलकर इस प्रारूप में फिनिशर की भूमिका पर खरे उतरने की कोशिश कर रहे हैं और उनकी नजरें टी20 विश्व कप से पहले छठे स्थान पर अपनी जगह पक्की करने पर टिकी हैं।

कंगारुओं में दिख रही थकान

स्टीव स्मिथ, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस और एडम जंपा जैसे ऑस्ट्रेलिया के कुछ सीनियर खिलाड़ी नौ हफ्ते से अधिक समय से भारत में हैं और अब उन पर थकान का असर दिखने लगा है। उन्हें अगली श्रृंखला से पहले आराम की जरूरत होगी। ये चारों अगले महीने बिग बैश लीग में खेलेंगे।

गेंदबाजों ने किया प्रभावी प्रदर्शन

भारतीय गेंदबाजों ने पहले मैच में 208 रन खर्च करने के बाद दूसरे मैच में बेहतर प्रदर्शन किया। पहले दो मैच में खाली गेंद की संख्या में अधिक फर्क नहीं था लेकिन दूसरे मैच में ओस के बावजूद भारतीय गेंदबाज बाउंड्री की संख्या में कटौती करने में सफल रहे। भारतीय गेंदबाजों ने पहले मैच में 45 जबकि दूसरे मैच में 44 खाली गेंद फेंकी। भारत के खिलाफ पहले मैच में 24 चौके लगे जबकि दूसरे मैच में यह संख्या आधी रह गई। विशाखापत्तनम में जोश इंग्लिस और स्टीव स्मिथ के खिलाफ काफी रन लुटाने के बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने दूसरे मैच में तीन विकेट चटकाकर मजबूत वापसी की।

रोड्रिगो के दो गोल से रियल मैड्रिड ने कैडिज को हराया

एजेंसी ▸▸| मैड्रिड

रोड्रिगो के दो गोल की मदद से रियल मैड्रिड रविवार को यहां कैडिज को 3-0 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग में शीर्ष पर पहुंच गया। रोड्रिगो ने 14वें और 64वें मिनट में गोल दागे।

रोड्रिगो ने इसके अलावा ज्यूड बेलिंघम के 74वें मिनट में दागे गए गोल में मदद भी की। इस जीत से मैड्रिड अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। उसने गिरोना पर एक अंक की बढ़त बना ली है जो सोमवार को एथलेटिक बिलबाओ की मेजबानी करेगा। मैड्रिड तीसरे स्थान पर चल रहे एटलेटिको मैड्रिड से चार अंक आगे है जिसने शनिवार को अपने घरेलू मैदान पर मालोर्का को 1-0 से हराया। मैच का एकमात्र गोल एंटोनी ग्रिजमैन ने किया। गत चैंपियन बार्सीलोना शनिवार को रेयो वालेकानो से 1-1 से ड्रॉ खेलकर चौथे स्थान पर बना हुआ है। लीग में सेविला का जीत का इंतजार सात मैच में पहुंच गया है। टीम को रीयाल सोसीदाद के खिलाफ 1-2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। विलारीयाल ने जोस लुई मोरालेस की दूसरे हाफ में लगाई हैट्रिक की बदौलत ओसासुना को 3-1 से हराया।

इंटर मिलान ने यूवेंटस को ड्रॉ पर रोका

मिलान। लॉटेरो मार्टिनेज के गोल की बदौलत इंटर मिलान ने सिरी ए फुटबॉल लीग में दूसरे स्थान पर चल रहे यूवेंटस को रविवार को यहां 1-1 से बराबरी पर रोक दिया। डुआन व्लाहोविच के गोल की मदद से यूवेंटस ने बढ़त बनाई लेकिन मार्टिनेज ने लीग सत्र का 13वां गोल दागते हुए अपनी टीम को हार से बचा लिया। इस ड्रॉ के बावजूद इंटर की टीम शीर्ष पर बनी हुई है। उसने दूसरे स्थान पर चल रहे यूवेंटस पर दो अंक की बढ़त बरकरार रखी है। तीसरे स्थान पर चल रहा एसी मिलान शीर्ष पर चल रहे शहर के अपने प्रतिद्वंद्वी इंटर मिलान से छह अंक पीछे है जबकि गत चैंपियन नेपोली उससे भी दो अंक पीछे चौथे पायदान पर है। अन्य मुकाबलों में रोमा ने उडिनेसे को 3-1 से हराया जबकि सासुओलो ने इंटरी टाइम में दागे गोल की बदौलत एंपोली को 4-3 से शिकस्त दी। फ्रोसिनन ने जिनोआ को 2-1 से हराया।

इटली ने 50 साल में जीता पहला डेविस कप खिताब

एजेंसी ▸▸| मलागा

यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अपना मुकाबला जीता जिससे इटली ने रविवार को यहां फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर लगभग पांच दशक में पहला डेविस कप टेनिस खिताब अपने नाम किया। सिनर ने एलेक्स डि मिनोर को फाइनल के दूसरे एकल मुकाबले में 6-3, 6-0 से हराकर इटली की 2-0 से जीत सुनिश्चित की। इटली का 1976 से यह पहला डेविस कप खिताब है। मातियो अर्नाल्डी ने पहले एकल में एलेक्सेई पोपिरिन को 7-5, 2-6, 6-4 से हराकर इटली को 1-0 की बढ़त दिलाई थी। शनिवार को सर्बिया के खिलाफ सेमीफाइनल में दुनिया के चौथे नंबर के

खिलाड़ी सिनर ने दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवोक जोकोविच को एकल और युगल दोनों मुकाबलों में हराया था बाइस साल के सिनर ने इस हफ्ते अपने पाचों मुकाबलों में जीत दर्ज की। इस साल फाइनल में जगह बनाने वाले इटली और ऑस्ट्रेलिया सितंबर में ग्रुप चरण में सीधे जगह बनाएंगे।

भारत 2024 टी20 विश्व कप खिताब का बड़ा दावेदार

मुंबई। पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप खिताब के लिए भारत को बड़ा दावेदार करार देते हुए सोमवार को यहां कहा कि चैम्पियन बनने के लिए इस टीम को आखिरी दो नॉकआउट मैचों में विजेता बनना होगा। भारतीय टीम को एकदिवसीय विश्व कप में शानदार अभियान के बाद फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा था। शास्त्री ने यहां एक कार्यक्रम के इतर कहा, 'कुछ भी आसानी से नहीं मिलता। यहां तक कि महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर को भी विश्व कप जीतने के लिए छह विश्व कप का इंतजार करना पड़ा। आप विश्व कप नहीं जीतते, एक विश्व कप जीतने के लिए आपको बहुत मेहनत करनी पड़ती है। उस बड़े दिन अच्छा प्रदर्शन करना होता है। फाइनल में पहुंचने के बाद यह मायने नहीं रखता कि आपने टूर्नामेंट में पहले क्या किया है।'

अदिति ने स्पेन में जीता सत्र का अपना दूसरा एलईटी खिताब

एजेंसी ▸▸| मारबेला

भारत की स्टार गोल्फर अदिति अशोक ने अंतिम दौर में बोगी रहित प्रदर्शन करते हुए एंडालूसिया कोस्टा डेल सोल ओपन डि एस्पाना टूर्नामेंट जीता जो सत्र का उनका दूसरा लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) खिताब है।

अदिति ने अंतिम दौर में 66 के स्कोर से कुल 17 अंडर का स्कोर बनाया। उन्होंने रविवार को नीदरलैंड की एने वान डैम (68) को दो शॉट से हराया। यह अदिति का मौजूदा सत्र का दूसरा और करियर का पांचवां एलईटी खिताब है। टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही अदिति ने मौजूदा सत्र में कीनिया में भी खिताब जीता था। भारत की ही दीक्षा डागर (67) 10 अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर रहीं।

महिलाओं की सबसे फेवरेट और एवरग्रीन आउटफिट साड़ी में ही नई डिजाइंस क्रिएट कर रफल साड़ी का लुक बहुत पसंद किया जा रहा है। हर वर्ग की महिलाएं इन्हें अपने वार्डरोब में शामिल कर रही हैं। रफल साड़ियों की खासियतों और इसके बढ़ते क्रेज पर एक नजर।

डिजाइनर रफल साड़ियां आपको मिलेगा क्लासी लुक

फैशन / नीलोफर

साड़ियों की दुनिया में रफल साड़ी का नाम बहुत पुराना नहीं है। लेकिन इन दिनों बॉलीवुड की हीरोइनों से लेकर आम महिलाओं की पसंद बनी हुई हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि पहले रफल साड़ियां काफी महंगी होती थीं, लेकिन अब ये दूसरी साड़ियों के बराबर या उनसे थोड़ी-बहुत महंगी होती हैं। इसीलिए ये सभी वर्ग की महिलाओं की पसंद बन रही हैं।

क्या होती हैं रफल साड़ियां

रफल साड़ी, एक किस्म की रेडीमेड साड़ी ही होती है। करीब एक दशक पहले रफल आउटफिट के नाम से वेस्टर्न ड्रेसेस में एक ट्रेंड आया। इसके बाद पिछले कुछ सालों में इंडियन डिजाइनर्स ने इस आउटफिट में कई तरह के एक्सपेरिमेंट करके इस साड़ी को नया लुक दे दिया। रफल साड़ी तैयार करने के लिए रेडीमेड साड़ियों में चौड़ी पट्टियों को प्लीट्स में मोड़कर किनारों पर एक तरफ से सिल देते हैं। इस वजह से ये साड़ी के साथ ही डिजाइनर ड्रेस का भी लुक देती है। इसमें नीचे लहंगे की तरह लेयर्स लगी रहती हैं और ऊपर से चुन्नी अटैच करके पल्लू लिया रहता है। रफल का यह फ्यूजन, सिर्फ साड़ियों तक सीमित नहीं है। लहंगा चोली में भी यह खूबसूरती से इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन रफल लुक में साड़ी काफी क्लासी लगती है।

सेलिब्रिटीज भी करती हैं पसंद

इस साल बीते गणपति उत्सव में माधुरी दीक्षित और शिल्पा शेट्टी को रफल साड़ी में अपनी ब्यूटी और स्टाइल का जलवा बिखेरते देखा गया। इनके अलावा दृष्टि धामी भी रफल साड़ी में खूब सुंदर नजर आई थीं। इसके बाद कई इवेंट्स और फेस्टिव ऑकेजंस पर सोनम कपूर और लारा दत्ता ने भी इन साड़ियों को कैरी किया। शायद यही वजह है कि इन दिनों साड़ियों के बाजार में रफल साड़ियों की मांग काफी ज्यादा हो गई है।

इसलिए बढ़ रहा है क्रेज

इस बात में दो राय नहीं कि यंग हों या मिड एज की महिलाएं, जितनी खूबसूरत साड़ी में लगती हैं, उतनी किसी भी दूसरी ड्रेस में नहीं लगतीं। इसीलिए कोई महिला चाहे किसी भी क्लास की हो, उसकी ड्रीम ड्रेस होने का श्रेय साड़ी को ही मिलता है। जहां तक रफल साड़ियों की बात है तो इसमें एक तो नएपन की ताजगी है, इन्हें कैरी करना आसान है और ये साड़ी के साथ-साथ दूसरी मॉडर्न ड्रेस का मिला-जुला लुक भी देती हैं। रफल साड़ियों के निचले बॉर्डर में लहरिया स्टाइल का लेस लगा होता है, जो साड़ी बांधने पर घूमकर पल्लू तक आता है, इससे यह ड्रेस बेहद अट्रैक्टिव लुक हासिल कर लेती है। यही वजह है कि खासकर यंग एज महिलाओं के वार्डरोब में ट्रेडिशनल साड़ियों के साथ रफल साड़ियां भी शामिल हो गई है।

कलर-फैब्रिक के हैं कई ऑप्शंस

साड़ी भले ही ट्रेडिशनल आउटफिट हो, लेकिन रफल के टच से अब यह मॉडर्न रूप ले चुकी है। बाजार में इन दिनों अलग-अलग कलर और डिजाइन की ढेरों रफल साड़ियां मौजूद हैं। इसी तरह रफल साड़ियां कई तरह के फैब्रिक में भी मिलती हैं लेकिन शिफॉन, क्रेप या साटन में प्रिंटेड और प्लेन दोनों तरह की रफल साड़ियां बहुत खूबसूरत नजर आती हैं और सबको खूब भाती भी हैं। रफल साड़ी की एक खास बात यह है कि इसे कैरी करने पर पल्लू और बार्डर पर बेहद ट्रेंडी और स्टाइलिश लुक मिलता है।

बन गई है ट्रेंडी फैशन वियर

बॉलीवुड में आजकल रफल साड़ियां, पार्टी वियर के रूप में पहले नंबर पर ट्रेंड कर रही हैं। शायद इसके पीछे की एक वजह इसको ईजिली कैरी करना भी है। रफल साड़ी को आप किसी भी तरह की पार्टी में कैरी कर सकती हैं। इनके साथ आपको ज्यादा या हैवी ज्वेलरी पहनने की भी जरूरत नहीं होती। दरअसल, इसका डिजाइन इतना खूबसूरत होता है कि एसेसरीज के बिना भी इन्हें पहनकर अट्रैक्टिव लुक पाया जा सकता है। इसीलिए रफल साड़ी को इन दिनों ट्रेंडी फैशन बियर की कैटेगरी में रखा जा रहा है। *

मौसम में बदलाव हो या पॉल्यूशन, स्किन पर इनका असर पड़ता ही है। इससे बचने के लिए आपको डेली स्किन केयर करना बहुत जरूरी है। पॉल्यूशन के इफेक्ट्स से स्किन और हेयर प्रोटेक्ट करने के लिए आपको बता रहे हैं कुछ यूजफुल सजेशंस।

पॉल्यूशन से ऐसे करें अपनी स्किन प्रोटेक्ट

ब्यूटी

शहनाज हुसैन
कॉस्मेटोलॉजिस्ट

सर्दी का मौसम आते ही शहरों में पॉल्यूशन बढ़ने लगता है। इससे हेल्थ पर तो असर पड़ता ही है, साथ ही स्किन पर भी इसका असर दिखने लगता है। पॉल्यूशन में मौजूद केमिकल्स और पॉल्यूटेंट्स के कारण स्किन पोर्स बंद हो जाते हैं। इससे स्किन पर कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं जैसे- लालिमा, मुंहासे और डल स्किन। कई बार पॉल्यूशन के कारण स्किन की चमक भी काफी कम हो जाती है और स्किन काफी बेजान लगने लगती है। इन सभी प्रॉब्लम्स से बचने के लिए हम आपको बता रहे है कुछ ऐसे तरीके, जिसे अप्लाई कर आप अपनी स्किन को प्रोटेक्ट कर सकती हैं। इसके लिए आपको ब्यूटी पार्लर भी जाने की जरूरत नहीं है। आप घर पर रहकर ही कुछ सावधानियों पर अमल करके अपनी स्किन को क्लीन, फ्रेश बना सकती हैं।

प्रॉपर क्लीनिंग

शहरों में रहने वाली महिलाओं को अपने स्किन की प्रॉपर क्लीनिंग करते रहना चाहिए। जिन महिलाओं की स्किन ड्राई है, वे स्किन की समय-समय पर क्लींजिंग करती रहें। अगर आपकी स्किन ऑयली है तो अपनी स्किन को दूध से क्लीन करें। पॉल्यूशन के प्रभावों को कम करने के लिए चंदन, यूकेलिप्टस, पुदीना, नीम, तुलसी, एलोवेरा का प्रयोग करना फायदेमंद है। इन पदार्थों में टॉक्सिक एलिमेंट्स से लड़ने की क्षमता होती है। इससे स्किन में टॉक्सिक मैटीरियल के जमाव और फोड़े-फुंसियों को दूर करने में मदद मिलती है। इससे आपका फेस स्पॉटलेस दिखेगा।

स्किन को हाईड्रेट रखें

स्किन को पॉल्यूशन इफेक्ट से छुटकारा दिलाने के लिए चेहरे को बार-बार पानी से क्लीन करती रहें और दिन में अधिक से अधिक पानी पीएं। पानी शरीर के विषैले पदार्थों को बाहर निकालने और सेल्स को हाईड्रेट बनाए रखने में मदद करता है। प्रदूषण की वजह से स्किन को हुए नुकसान की भरपाई पानी से आसानी से की जा सकती है।

आई पैक

पॉल्यूशन और डस्ट से आंखों में जलन और लालिमा आ सकती है। इससे बचने के लिए आंखों को ताजे पानी से बार-बार धोना चाहिए। कॉटनवूल पैड को ठंडे गुलाब जल या ग्रीन टी में डुबोएं और इसे आंखों पर आई पैड की तरह प्रयोग करें। आंखों पर आई पैड लगाने के बाद जमीन पर गद्दा या मैट बिछाकर उसपर 15 मिनट तक शवासन की मुद्रा में लेट जाइए। इससे आंखों में थकान मिटाने में मदद मिलती है और आंखों में चमक भी आती है। ऐसा करना इसलिए जरूरी है क्योंकि ग्लोइंग फेस के साथ आंखें भी डललेस होनी चाहिए।

ऐसे करें हेयर केयर

पॉल्यूशन की वजह से स्किन के अलावा हेयर को भी काफी नुकसान होता है। इसके कारण बाल डैमेज होने लगते हैं और उनकी वॉल्यूम भी कम हो जाती है। इसलिए आपको अपनी स्किन के साथ-साथ अपने हेयर की भी केयर करनी चाहिए। उसके लिए आप एक चम्मच सिरका और एलोवेरा जैल में एक अंडे को मिलाकर मिश्रण बना लें। फिर उस मिश्रण को हल्के हाथों से बालों में अप्लाई करें। करीब तीस मिनट बाद साफ पानी से सिर धो लें।

अपने बालों को हेल्दी, शाइनी और पॉल्यूशन इफेक्ट से फ्री बनाने के लिए आप चाहें तो गर्म तेल की थैरपी भी दे सकती हैं। नारियल तेल को गर्म करके इसे सिर पर लगा लीजिए। अब गर्म पानी में एक टॉवेल डिप करें और उसे सिर के चारों ओर कवर कर लें, इसे पांच मिनट तक रहने दें। ऐसा तीन से चार बार करें। इस प्रक्रिया से बालों को तेल सोखने में मदद मिलती है। इस तेल को पूरी रात सिर पर लगा रहने दें, सुबह साफ पानी से धो लें। *

हेल्दी डाइट को फॉलो करें

कई बार अनहेल्दी डाइट के कारण भी स्किन का ग्लो खत्म होने लगता है। उसके लिए आप अपनी डाइट में ओमेगा 3 और ओमेगा 6 फैटी एसिड्स वाले फूड्स शामिल करें। ये दोनों एसिड्स स्किन को पॉल्यूशन के बैड इफेक्ट्स से बचाने में अहम भूमिका अदा करते हैं। फैटी एसिड्स स्किन में ऑयल शील्ड बना देते हैं और अल्ट्रा वायलेट किरणों से स्किन प्रोटेक्ट करते हैं। ओमेगा फैटी एसिड्स, बर्फीले पहाड़ों की नदियों में पाए जाने वाली मछलियों, अखरोट, राजमा और पालक में अधिक मात्रा में मिलता है। आप इनको अपनी डाइट में ऐड करेंगी तो आपकी स्किन को नेचुरल ग्लो मिलेगा। *

डेकोरेशन / अनु आर.

अगर आप अपने घर में ही जंगल की हरियाली वाली फीलिंग चाहती हैं तो ऐसा कर सकती हैं। इसके लिए किसी रूम के कॉर्नर को या किसी छोटे रूम को प्लांट्स के जरिए आप जंगल लुक दे सकती हैं। कैसे, बता रहे हैं आपको।

छोटे से घर में बनाएं प्लांट स्टूडियो रूम

शहरों में अधिकांश लोगों के पास अपनी ऐसी कोई जमीन नहीं होती, जिस पर वे अपना किचेन गार्डन बना सकें। कुछ लोगों के पास इस तरह के बड़े फ्लैट जरूर होते हैं, जिनमें बड़ी-बड़ी बालकनी होती हैं, जबकि ज्यादातर के पास ऐसी बालकनी वाले फ्लैट भी नहीं होते। 50 फीसदी से ज्यादा लोग छोटे फ्लैटों में ही रहते हैं। लेकिन इनमें रहने वाली कई महिलाएं अपने छोटे से फ्लैट के किसी कोने या कमरे को अपनी क्रिएटिविटी के जरिए 'जंगल कॉर्नर' या 'प्लांट स्टूडियो रूम' का लुक दे देती हैं। आप भी ऐसा कर सकती हैं। यह एक न्यू ट्रेंडी डेकोरम है।

कठिन नहीं ऐसा करना : कई महिलाओं को पौधों से, जंगल जैसी हरियाली से बहुत लगाव होता है। अब जंगल में रहना तो संभव नहीं। ऐसे में आप अपने फ्लैट के किसी कमरे या कोने को ही जंगल लुक दे सकती हैं। इस स्पेस में आप वही जंगल ग्रीनरी वाली फील पा सकती हैं, जो किसी घने जंगल में जाने पर महसूस होती है। आजकल मार्केट में छोटे गमलों के ऐसे घुमावदार स्टैंड उपलब्ध हैं, जिसमें एक वर्टिकल स्टैंड में 100-100 छोटे गमले आ जाते हैं। इससे इतना घना जंगल वाला लुक मिलता है कि इसकी कल्पना भी नहीं कर पाएंगी।

एक्सपर्ट की लें हेल्प : अगर आप कुछ ज्यादा पैसा खर्च कर सकती हैं तो इंटीरियर डिजाइनर और आर्किटेक्ट की हेल्प ले सकती हैं। इनके अलावा आजकल कई ऐसे लैंडस्केप आर्किटेक्चर्ड डिजाइन भी मार्केट में मौजूद हैं, जो फ्लैट में रहने वालों को जंगल का एहसास कराते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले अपने कमरे के एरिया को सभी दिशाओं से अच्छी तरह से नाप लें। फिर इंटीरियर डिजाइनर के साथ मिलकर उस स्पेस को अपने मनचाहे जंगल के जैसे डेकोर कर सकती हैं। अगर आपने कभी कोई रियल जंगल नहीं देखा है तो भी परेशान ना हों। टीवी, सोशल मीडिया या मैगजींस से मिली जंगल के बारे में जानकारी को या अपनी कल्पना को इंटीरियर डिजाइनर के साथ साझा करके, मनचाहा फॉरेस्ट लुक डिजाइन करवा सकती हैं।

बजट के अनुसार करें डिजाइन : घर में जंगल लुक तैयार करने का डिजाइन आपके बजट पर निर्भर करेगा। इस बात को ध्यान रखें कि घर के किसी रूम को या किसी छोटे से ओपन स्पेस को जंगल का लुक देने में सिर्फ डिजाइनिंग का खर्चा नहीं होता। असली और बड़ा खर्च बार-बार उस डिजाइन के अनुकूल गमले स्टैंड में लगाए जाते हैं, उनका होता है। आमतौर पर एक 10X15 वर्ग फुट के कमरे को पसंदीदा जंगल का रूप देने में एक से डेढ़ लाख रुपए का खर्च हो जाते है। इसी तरह एक 10X10 वर्ग फीट के कमरे को जंगल सफारी लुक देने के लिए एक लाख रुपए का खर्चा आता है। लेकिन यह खर्च आपकी अपनी पसंदीदा डिजाइन, मैटीरियल और अलग-अलग मार्केट में उपलब्ध चीजों की कीमत से तय होता है। दूसरे शब्दों में यह भी कह सकते हैं कि किसी कमरे को जंगल का लुक देने के लिए कोई फिक्स बजट नहीं होता। अगर आप ज्यादा कुछ नहीं करना चाहतीं तो ऊंचाई के आकार वाले 10 ऐसे स्टैंड ला सकती हैं। अब इनसे कमरे के अंदर तीन पंक्तियां बनाएं और इन सभी पंक्तियों में मौसम के अनुकूल गमलों को लगाकर कमरे को भरपूर जंगल लुक दे सकती हैं। इसके अलावा आप ऐसा भी कर सकती हैं कि कमरे के दो कोनों पर दो बड़े-बड़े गमले रखें, जिनमें बड़े और मजबूत पेड़ हों और इन दोनों गमलों के बीच एक ऐसी जंगल जैसी फ्लोरिंग बनवाएं जो इन किनारे के बड़े पेड़ों के बीच जंगल का लुक दे। इस डिजाइन में खर्च भी बहुत कम आएगा। अगर आपका जंगल स्टूडियो इंडोर है, तो गमलों को जरूरी हवा-पानी का इंतजाम कर व्यवस्थित करती हैं तो भी ज्यादा खर्च नहीं आएगा। *

लघुकथा ❀ ललित शौर्य

ठंडक का एहसास

उस दिन अनिता अपनी मेड सुधा से बोली, 'आजकल तुम बहुत लेट आ रही हो। सुबह समय से आ जाया करो। ऐसे काम नहीं चलेगा।'

अनिता की बात सुनकर सुधा थोड़ा-सा सकुचाई फिर उसने अपनी बात रखी, 'मेम साहब, ठंड बहुत बढ़ गई है। सुबह-सुबह ठंड से हाथ-पैर सुन्न हो जाते हैं। इसीलिए समय पर नहीं आ पाती। आप नाराज ना हों। कल से मैं समय पर आने की पूरी कोशिश करूंगी।'

यह सुनकर अनिता को गुस्सा आ गया। वह बोली, 'अभी कौन-सी ठंड आ गई। हमें तो नहीं लग रही ठंड। तुम्हारे लिए कोई स्पेशल मौसम आया है क्या?'

सुधा क्या कहती, लेकिन हिम्मत जुटाते हुए बोली, 'मेम साहब, आप सुबह-सुबह घर से बाहर निकल कर देखें तब पता चलेगा, ठंड आई है या नहीं? आप तो गर्म-ठंड घर में रहती हैं। यहां कमरे का मौसम आपके हिसाब से बदलता है। लेकिन बाहर का मौसम हम गरीबों के हिसाब से नहीं बदलता। वह अपने समय पर आ जाता है।'

सुधा की बात सुनकर अनिता झेंप सी गई, उसे अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने मन ही मन खुद को कोसा। अनिता बोली, 'सुधा तुम ठीक कहती हो। वास्तव में ठंड बढ़ गई है। तुम अपने हिसाब से काम के लिए आ जाया करो।'

अब अनिता को भी ठंडक का एहसास हो रहा था। *

डाइट सजेशन / शिल्पी गोयल
डाइटीशियन-न्यूट्रिशनिस्ट, रायपुर

40 की एज के बाद महिलाओं की बोंस कई वजहों से वीक होने लगती हैं। इससे कई हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। इनसे बचने के लिए आपको अपनी डाइट में जरूरी चेंजेस करने चाहिए। इस बारे में आपको बता रहे हैं डिटेल में।

स्ट्रॉन्ग बोंस के लिए ऐसा हो मिड एज वूमेन का डाइट प्लान

बढ़ती उम्र का पहला असर स्किन पर दिखता है। अधिकतर महिलाएं इस बदलाव को लेकर तो कॉन्शस होती हैं और इसके लिए जरूरी उपाय भी करती हैं। स्किन, हेयर और फेस के साथ बढ़ती एज का इफेक्ट शरीर के अंदर भी होता है। खासतौर पर 40 की एज के बाद महिलाओं की हड्डियां कमजोर होने लगती हैं, जिससे कई बीमारियों का रिस्क बढ़ जाता है। इसके कई कारण हो सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप इन कारणों को जान लें और उससे बचने के लिए अपनी डाइट में बदलाव करें।

वीक बोंस के कारण : बढ़ती एज में बोंस के वीक होने के कई कारण हो सकते हैं।

- आपकी रेग्युलर डाइट में अगर कैल्शियम और विटामिन-डी जैसे जरूरी न्यूट्रिएंट्स कम हों तो इससे बोंस वीक होने का रिस्क बढ़ता है।
- एज बढ़ने से शरीर में हार्मोनल चेंजेस भी होते हैं, इससे कैल्शियम एब्सॉर्प्शन कम हो सकता है।
- फिजिकल एक्टिविटी की कमी से बोंस की डेंसिटी में कमी आ सकती है। ज्यादा देर तक बैठे रहने वाली लाइफस्टाइल और एक्सरसाइज की कमी से बोन लॉस तेजी से हो सकता है।
- 40 की एज से प्रीमेनोपॉज और 45 की एज में मेनोपॉज के चलते महिलाओं में एस्ट्रोजन (हार्मोन) लेवल कम हो जाता है, इससे भी बोन हेल्थ पर बैड इफेक्ट पड़ता है।
- कई महिलाओं में जेनेटिक्स फैक्टर्स से भी बोंस वीक हो जाती हैं।
- विटामिन-डी का नेचुरल सोर्स सनलाइट है, जिसे अकसर महिलाएं अवॉयड करती हैं। विटामिन-डी की कमी कैल्शियम एब्सॉर्प्शन को प्रभावित करती है। इससे बोंस वीक हो सकती हैं।

ऐसे करें बचाव : अब आप यह तो समझ गई होंगी कि मिड एज में महिलाओं की बोंस वीक होना नेचुरल प्रोसेस है। लेकिन इससे घबराना नहीं चाहिए, बस आपको शारीरिक बदलावों को समझते हुए अपनी लाइफस्टाइल और डाइट में कुछ चेंजेस करने होंगे। इससे आपकी बोंस स्ट्रॉन्ग रहेंगी और ऑस्टियोपोरोसिस से बचने में भी हेल्प मिलेंगी।

इन फूड आइटम्स का करें सेवन : मिड एज में आने वाली या इससे गुजर रही महिलाओं को अपनी डाइट में कुछ फूड आइटम्स को जरूर शामिल करना चाहिए।

हरी साग-सब्जियां : आयरन, कैल्शियम, विटामिन-डी को हरी पत्तेदार सब्जियों से लिया जा सकता है। आप इनकी भुजिया, चटनी या साग बनाकर खा सकती हैं। इससे आपका हीमोग्लोबिन, आरबीसी और डब्लूबीसी भी बढ़ेगा।

नट्स : नट्स में ढेर सारे विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन और फाइबर होते हैं। इनके सेवन से बोंस भी स्ट्रॉन्ग बनती हैं। इनसे आप कई अन्य गंभीर बीमारियों से भी बची रहेंगी।

अंडे : 40 की एज के बाद बोंस के लिए प्रोटीन भी बहुत जरूरी है। इसके लिए नॉनवेजीटेरिन महिलाएं अंडे को अपनी डाइट में शामिल करें। इसमें प्रोटीन, विटामिन-डी, बायोटिन, ओमेगा फैटी एसिड होते हैं। उबले अंडे खाने से मसल्स को वीक होने से बचा सकती हैं और इससे शरीर में ताकत भी बढ़ती है।

ब्रोकली : मिल्क प्रोडक्ट्स के बाद दूसरे नंबर पर सबसे अधिक कैल्शियम ब्रोकली में पाया जाता है। इसलिए इसे भी डाइट में शामिल करना चाहिए।

चीज : चीज (एक प्रकार का पनीर) कैल्शियम और विटामिन-डी का बेहतरीन सोर्स होता है। खासतौर पर मोत्जरेला चीज में कैल्शियम काफी अधिक पाया जाता है। इसलिए इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

दही : दूध की तुलना में दही में अधिक मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है। इसलिए दिन में कम से कम एक बार दही का सेवन जरूर करें।

दाल, सोयाबीन, बींस : कैल्शियम से भरपूर दाल, राजमा, चना हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद होता है। सोयाबीन भी कैल्शियम का रिच सोर्स है, जिसे भिगोकर खाना फायदेमंद होता है।

अंजीर : अन्य ड्राई फ्रूट्स के मुकाबले अंजीर में सबसे ज्यादा कैल्शियम पाया जाता है। इसमें पोटैशियम, विटामिन के भी होता है, ये सभी बोंस के लिए जरूरी होते हैं। *

90 प्रतिशत कर्मचारी, शिक्षक व अधिकारी पुरानी पेंशन बहाली हेतु सहमति पत्र देकर हड़ताल करने का किया समर्थन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पूरे देश का कर्मचारी पुरानी पेंशन की बहाली के लिए विगत दस वर्षों से आंदोलन कर रहा है इसलिए कि केन्द्र की सरकार ने जहां पूरे देश में पुरानी पेंशन व्यवस्था बन्द करके नई पेंशन व्यवस्था केन्द्र सरकार के कर्मचारियों को एक जनवरी 2004 और उत्तर प्रदेश सरकार के एक अप्रैल 2005 से लागू किया है जो कहीं से कर्मचारियों के लिए लाभप्रद नहीं है क्योंकि पुरानी पेंशन व्यवस्था में 60 वर्ष की अधिवर्षता आयु पूरी होने पर सेवानिवृत्ति के फल स्वरुप पचास प्रतिशत धनराशि मिल रहे वेतन की राशि पेंशन के रूप में मिलती थी वहीं आज नई पेंशन योजना जो दस प्रतिशत धनराशि वेतन से कटौती के बावजूद वह राशि जो पुरानी पेंशन में प्राप्त होती रही है नहीं मिल पा रही है इसके लिए लगातार कर्मचारी नई पेंशन योजना का विरोध करते हुए लखनऊ से लेकर रामलीला मैदान नई दिल्ली तक धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति जी का ध्यान आकर्षण कर चुका है लेकिन सरकार का रुख सकारात्मक न होने के कारण सरकार खुद कर्मचारी, शिक्षक व अधिकारियों को हड़ताल करने के लिए मजबूर कर रही है` हड़ताल की तैयारी के दृष्टिगत 28 नवम्बर मंगलवार को कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ के कार्यालय पर आयोजित एक प्रेस वार्ता में जिलाध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद व जिला संयोजक पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मंच के शशिकान्त श्रीवास्तव ने कहा कि विगत माह अक्टूबर से ही कर्मचारी, शिक्षक व अधिकारियों द्वारा ब्लाक, तहसील व सभी विभागों में हड़ताल के समर्थन में बगैर किसी दबाव के स्वेच्छा से सहमति पत्र भरवाए जा रहें थे जिसमें आठों ब्लॉक, तीनो तहसील के अलावा सिंचाई विभाग, कोषागार, जिलाधिकारी कार्यालय, विकास भवन में स्थापित सभी कार्यालयों, पंचायत विभाग,पी डब्लू डी, स्वास्थ्य विभाग, जीएसटी, सम्भागीय परिवहन निगम, बेसिक,

माध्यमिक, उच्च, मदरसा अरबिया शिक्षक एवं शिक्षणोत्तर कर्मचारी, माध्यमिक शिक्षा परिषद बोर्ड ऑफिस,चिट फंड सोसायटी, उद्यान विभाग, वाराणसी विकास प्राधिकरण, नगर निगम, जलकल, श्रम एवं सेवायोजन विभाग, आई टी आई, आबकारी विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उद्योग विभाग, मत्स्य, गन्ना,बांट माप ,एन सी सी, विश्वविद्यालय शिक्षणोत्तर कर्मचारी सहित रेलवे, आयकर,रेल डाक सेवा, डाकसेवा सहित भारत सरकार के सभी विभागों के लगभग 90 प्रतिशत कर्मचारियों ने हड़ताल का समर्थन करते हुए सहमति पत्र पर मतपेटियों में गुप्त मतदान किया मतपेटियां लखनऊ जायेगी। जहां प्रदेश के सभी जिलों की मतपेटियां एकत्रित होकर प्रांतीय नेतृत्व द्वारा हड़ताल का निर्णय कर शीघ्र घोषणा की जाएगी इस बार हड़ताल केन्द्र व राज्य सरकार के सभी शिक्षक, कर्मचारी व अधिकारी मिलकर एक साथ करेंगे` पत्रकार वार्ता में जिला मंत्री राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद श्यामराज यादव व सुनील सिंह मण्डल सचिव नार्दन रेलवे मेंस यूनियन ने बताया कि पुरानी पेंशन ही बुढ़ापे के लाठी का सहारा था जिसके लिए आर पार की लड़ाई का बिगुल लोकसभा चुनाव 2024 के पूर्व कभी भी बज सकता है जिसमें भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार का हर अधिकारी और कर्मचारी शिक्षक शामिल होगा। केन्द्रीय कर्मचारी समन्वय समिति के सचिव सुभाष शाह ने कहा कि हमारी पूरी तैयारी है शीर्ष संगठन पदाधिकारियों द्वारा हड़ताल की घोषणा करते ही सारे कार्य ठप पड़ जायेंगे जिसके लिए पूर्णतया सरकार दोषी होगी इस अवसर पर शशिकान्त श्रीवास्तव, श्याम राज यादव,दिवाकर द्विवेदी मण्डल अध्यक्ष, दीपेन्द्र कुमार श्रीवास्तव मण्डल मंत्री, सुरेन्द्र पाण्डेय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुनील सिंह, मण्डल सचिव नार्दन रेलवे मेंस यूनियन सुभाष शाह, मन्त्री केन्द्रीय कर्मचारी समन्वय समिति दिनेश सिंह अध्यक्ष ,अमित श्रीवास्तव कार्यकारी अध्यक्ष, धीरज श्रीवास्तव मंत्री, कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ ,गीतांजलि राणा, अध्यक्ष बाल विकास एवं पुष्टाहार, सुधांशु सिंह, सम्प्रेक्षक अतुल सिंह अध्यक्ष रोजगार सेवक, मान सिंह अध्यक्ष माध्यमिक शिक्षा परिषद कार्णिक संघ, योगेश सिंह, बृजेश कुमार यादव मन्त्री चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी संघ, प्रणव कुमार मिश्र, कौशलेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

एक्शन में जौनपुर पुलिस, प्रेस लिखे वाहन निशाने पर

प्रखर जौनपुर। वाहनों पर प्रेस पुलिस लिखकर धौंस जमाने वालों की खैर नहीं है। जिला पुलिस ऐसे वाहन चालकों पर कार्रवाई करेगी। इसके लिए विशेष जांच अभियान चलाया जाएगा। जिले के पत्रकारों ने फर्जी तरीके से वाहनों पर प्रेस लिखे होने की जानकारी पुलिस अधीक्षक को दी। जिले में बड़े पैमाने पर फर्जी पत्रकारों के एक गैंग के काम करने की चर्चा करते हुए पुलिस अधीक्षक ने डॉ. अजय पाल शर्मा ने कार्रवाई का निर्देश दिया है। अब तक पुलिस की जांच में पाया गया है कि गैंग के सदस्य लग्जरी वाहनों पर प्रेस व कुछ समाचार पत्रों का नाम लिखकर घूम रहे हैं। पत्रकार होने का धौंस जमाते हुए लोगों को भ्रमित कर रहे हैं। पत्रकार बनकर उसकी आड़ में अपने कारोबार को ऊंचाइयां प्रदान कर रहे हैं। पुलिस अधीक्षक डॉ. अजय पाल शर्मा ने

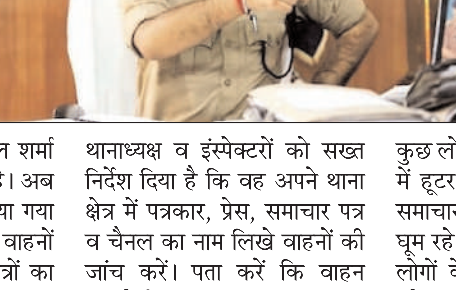

थानाध्यक्ष व इंस्पेक्टरों को सख्त निर्देश दिया है कि वह अपने थाना क्षेत्र में पत्रकार, प्रेस, समाचार पत्र व चैनल का नाम लिखे वाहनों की जांच करें। पता करें कि वाहन स्वामी जिस संस्था का नाम वाहन पर लिखा है। वह उसका पत्रकार है कि नहीं। अगर है तो उसके पास क्या प्रमाण है। सूचना विभाग से पत्रकारों से सूची भी ले लें। जिससे जांच करने में आसानी हो। एसपी डॉ. अजय पाल शर्मा ने कहा लगातार शिकायत मिल रही है कि शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों में फर्जी तरीके से लोग अपने वाहनों पर प्रेस व कुछ संस्थाओं का नाम लिखकर घूम रहे हैं। एसपी ने बताया कि कुछ लोग अपने चार पहिया वाहनों में हूटर व फर्जी तरीके से प्रेस व समाचार पत्रों का नाम भी लिखकर घूम रहे हैं। फर्जी पाए जाने पर ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण से सफल होता है जीवन : आचार्य धरणीधर

प्रखर सन्तकबीरनगर। विकासखंड नाथनगर के अंतर्गत महुली कस्बे में आयोजित श्रीमद् भागवत में श्री अयोध्या धाम से आए कथा प्रवक्ता आचार्य धरणीधर जी महाराज ने व्यास पीठ से कहा भागवत महात्मा की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत के श्लोकों का नित्य गान करने वाले मनुष्य के करोड़ों जन्म का पाप खत्म हो जाता है। अगर कोई व्यक्ति भागवत जी का एक श्लोक या आधा श्लोक गाता है तो स्वयं भगवान श्री कृष्ण श्री राधा रानी जी के साथ वहां उपस्थित होकर उसके श्लोक के स्वर में स्वर मिलाकर बंसी की मधुर तान करने लगते हैं। महाराज जी ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा के श्रवन से कलयुग के पांच प्रकार के महापापों का भी समूल नाश हो जाता है।

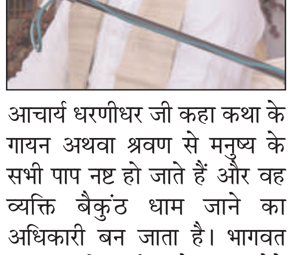

आचार्य धरणीधर जी कहा कथा के गायन अथवा श्रवण से मनुष्य के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और वह व्यक्ति बैकुंठ धाम जाने का अधिकारी बन जाता है। भागवत महात्मा की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत के श्लोकों का नित्य गान करने वाले मनुष्य के करोड़ों जन्म का पाप खत्म हो जाता है। अगर कोई व्यक्ति भागवत जी का एक श्लोक या आधा श्लोक गाता है तो स्वयं भगवान श्री कृष्ण श्री राधा रानी जी के साथ वहां उपस्थित होकर उसके श्लोक के स्वर में स्वर मिलाकर बंसी की मधुर तान करने लगते हैं। महाराज जी ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा के श्रवन से कलयुग के पांच प्रकार के महापापों का भी समूल नाश हो जाता है। श्रीमद् भागवत कथा के गायन अथवा श्रवण से मनुष्य के सभी पाप नष्ट हो जाते है और वह व्यक्ति बैकुंठ धाम जाने का अधिकारी बन जाता है। इस अवसर पर इस अवसर पर परशुराम मिश्र,राम चंद्र मिश्रा डॉ. रमेश चंद्र मिश्र अविनाश मिश्रा, नीरज मिश्रा, हरिदत्त पाण्डेय हरिप्रसाद दुबे, बालमुकुंद दुबे शिवदास दुबे, वाचस्पति दुबे, गिरीश दुबे, शिवम दुबे, कृष्ण चन्द्र दुबे, परदेसी मोरया समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

कस्टम मामले में अभियुक्त रौशन कुमार को हाईकोर्ट इलाहाबाद से मिली जमानत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। कुछ दिनों पहले लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट वाराणसी पर सीमा शुलक अधिकारियों द्वारा रोशन कुमार को गिरफ्तार किया व अभियुक्त के पास से लगभाग 860.210 ग्राम सोना बारामद किया गया जिसकी कुल किमत लगभग 55 लाख रुपए बताई गयी` पूर्वांचल के जाने-माने अधिवक्ताओं में से एक व फौजदारी मामलों में जमानत संबंधी बागी चैंबर के वरिष्ठ अधिवक्ता अजय सिंह "बागी" व अधिवक्ता रमेश कुमार सिंह द्वारा अभियुक्त रोशन कुमार की जमानत प्रार्थना पत्र इलाहाबाद हाईकोर्ट से मंजूरी दिलाई गयी इससे पहले जिला एवं सत्र न्यायालय वाराणसी द्वारा अभियुक्त की जमानत प्रार्थना पत्र खारिज कर दी गई थी।

अधिवक्ता अजय सिंह "बागी" अधिवक्ता रमेश कुमार सिंह

विवाहिता की फांसी पर लटकती मिली लाश

प्रखर जौनपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के वाजिदपुर उत्तरी मोहल्ले में विवाहिता की फांसी पर लटकती लाश को पुलिस ने बरामद किया है। उक्त मोहल्ला निवासी कालिका नंदन विश्वकर्मा की 27 वर्षीय पत्नी दीक्षा उर्फ ज्योति विश्वकर्मा कि उन्हें के घर में फांसी पर लटकती हुई लाश मंगलवार दिन के लगभग 11 बजे देखी गई। महिला की लाश जब फांसी पर लटकी हुई थी उसी समय उसके तीन बच्चे स्कूल गए हुए थें। घटना की जानकारी मिलते ही शहर कोतवाल मिथिलेश कुमार मिश्रा चौकी व प्रभारी राज कॉलेज राम प्रकाश यादव और चौकी प्रभारी भंडारी तारकेश्वर प्रसाद राय सहयोगी जवानों के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस मामले को आत्महत्या बता रही है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली मिथिलेश कुमार मिश्रा ने बताया कि मायके वालों को इसकी सूचना भेजी गई है। सूचना मिलने पर कानपुर से मृतक विवाहिता महिला के पिता आ रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने लाश को कब्जे में ले लिया है और छानबीन कर रही है।

सीखिए योग, मिलेगी 9000 की छात्रवृत्ति, आयुष मंत्रालय द्वारा प्रमाणित सेंटर से मिलेगा प्रमाण पत्र

प्रखर जौनपुर। विश्व भर में योग को बढ़ावा देने के लिए केंद्र की मोदी सरकार ने अहम भूमिका निभाई है. इसी क्रम में योग प्रमाणन बोर्ड का भी गठन किया गया है. आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त पूर्वांचल के प्रथम योग संस्थान के बैनर तले धमार्पुर में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है. द बनारस एजुकेशनल एण्ड सोशल ट्रस्ट भारत सरकार आयुष मंत्रालय (आयुष विभाग अनुभाग) चिकित्सीय महत्व यात्रा के लिए चैंपियन सेवा क्षेत्र योजना के तहत कौशल विकास की केंद्रीय क्षेत्रक योजना चैंपियन सेवा क्षेत्र, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा फाउंडेशन कोर्स इन योग साइंस फॉर वैलनेश कोर्स चलाया जा रहा है.

यह कोर्स पूरी तरह से निःशुल्क है. सीटें सीमित हैं. योग ट्रेनर बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष से अधिक और 45 वर्ष से कम होनी चाहिए और कम से कम हाई स्कूल उत्तीर्ण होना चाहिए. इतना ही नहीं एक माह के कोर्स पूरा करने पर अभ्यर्थियों को 9 हजार रुपए की छात्रवृत्ति मिलेगी.

कौशल विकास प्रशिक्षण के प्रतिभागियों को राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय दोनों स्तर पर निजी और सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त करने में सुविधा होगी। दो नवीनतम पासपोर्ट साइज फोटो हाईस्कूल की मार्कशीट और सर्टिफिकेट, बैंक पासबुक और आधार कार्ड की फोटोकॉपी प्रधानमंत्री कौशल विकास सेंटर लढ पेट्रोल पंप के सामने, केराकत रोड, धमार्पुर, जौनपुर पर जमा कर सकते हैं. यदि इस संबंध में कोई जानकारी लेनी हो तो सेंटर संचालक के सम्पर्क सूत्र 6307621323, 8726666601, 7318578746, 7318566589 पर सम्पर्क किया जा सकता है. यह जानकारी योग संस्थान धमार्पुर के डॉ. अशोक कुमार त्रिपाठी ने दी।

कृषि विज्ञान केंद्र आंकुशपुर में किसानों को कृषि यंत्रों से किया गया प्रशिक्षित

प्रखर गाजीपुर। आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, आंकुशपुर, गाजीपुर में विभिन्न उपकरणों द्वारा गेहूं की बुवाई एवं उनका रख रखाव शीर्षक पर पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया` इस अवसर पर केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. आर. सी. वर्मा ने कहा कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानो की कार्य क्षमता में वृद्धि के साथ ही साथ मजदूरो के ऊपर निर्भरता कम करना एवं समय और लागत में कमी के साथ ही गेंहू की खेती वैज्ञानिक तरीके से पूर्ण करना` डॉ. वर्मा ने गेंहू के उत्पादन को प्रभावित करने वाले कारको जैसे रोग, कीट एवं पोषक तत्वों की कमी को पहचानने एवं उनके निदान की जानकारी देते हुए कहा की बुवाई से पूर्व यदि बीज उपचार किया जाता है तो 20 -30 प्रतिशत तक गेंहू की ऊपज को बढ़ाया जा सकता है। उक्त अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण संयोजक डॉ शशांक शेखर ने कहा कि गेंहू में बुवाई में प्रयोग होने वाले सभी उपकरण जैसे हैप्पी सीडर, सीड ड्रिल, जीरो सीड ड्रिल कम फर्टी ड्रिल इत्यादि मशीनो के प्रयोग एवं रख रखाव पर आने वाले दिनों में विस्तार से चर्चा करेंगे` डॉ शेखर ने

बताया कि हैप्पी सीडर मशीन के बारे में बताया कि इस यंत्र में रोटर एवं जीरोटिलेज ड्रिल यूनिट लगी रहती है, जो पराली को खेत से बिना निकाले गेहू की सीधी बुवाई कर सकता है, इस यंत्र में दो बॉक्स बने होते हैं जिनमें खाद एवं बीज अलग-अलग भरा जाता है। हैप्पी सीडर निर्धारित दर से खाद और बीज को खेत में डालने का काम करता है। उन्होंने यह भी बताया कि अगर आप छिटकवां विधि से गेंहू की बुआई करते हैं तो प्रति हेक्टेयर लगभग 120-130 किलो, जबकि मशीन से बुआई करने में प्रति हेक्टेयर सिर्फ 80-100 किलो गेंहू के बीज की आवश्यकता होती है। इस तरह से मशीन से गेंहू की बुआई करते हैं तो बीज और समय दोनों की बचत होती है तथा कम लागत में गेंहू की अच्छी पैदावार किसान भाई प्राप्त कर सकते है। डॉ शेखर ने गेंहू में सिचाई की विभिन्न अवस्था के बारे में जानकारी दिया जिसमे कल्ले बनते समय एवं पुष्पन अवस्था के समय सिचाई का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी। वैज्ञानिक डॉ नरेंद्र प्रताप ने कृषको को गेंहू की विभिन्न उन्नतशील प्रजातियों एवं गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन की तकनीकी के विषय में जानकारी प्रदान किया` वैज्ञानिक डॉ शशांक सिंह ने गेंहू की सीधी बुवाई के बारे में किसानो को जागरूक करते हुए बताया कि इस विधि द्वारा किसान कम लागत में अच्छी खेती करते हुए अपनी आय में वृद्धि कर सकते है। डॉ. जे. पी. सिंह ने किसानों को सलाह दिया कि खाद एवं उर्वरको के प्रयोग से पूर्व किसान भाई अपने खेत की मिट्टी की जांच के उपरांत प्राप्त संस्तुतियों के आधार पर ही करे। जिससे खेत की मिट्टी की संरचना, संघटन एवं उपजाऊ क्षमता बनी रहे। डॉ. सिंह ने किसानो से प्राकृतिक खेती की विधियों द्वारा गेंहू उत्पादन तकनीक पर विस्तार से चर्चा किया। इस प्रशिक्षण में प्रगतिशील कृषक श्री संजय पांडेय ,गणेश गुप्ता, रीमा देवी आदि सहित कुल 25 कृषकों ने प्रतिभाग किया।

गंगा ग्राम डुमरी देव दीपावली के उपलक्ष में 95 बटालियन सीआरपीएफ दीपक लगाने जलाने में महत्वपूर्ण भूमिका

प्रखर रामनगर वाराणसी। देव दीपावली के दिन गंगा जी उस पार गंगा ग्राम डोमरी के सेक्टर नं 5 मे ऋतन्डी स्वामी आश्रम से लेकर सतुआ बाबा आश्रम तक सीडीओ आइएस हिमांशु नागपाल सर के निर्देशन में 95 बटालियन सी आरपीएफ के नौजवान एवं ग्रामीण जनों के सहयोग से उत्कृष रुप में देव दीपावली सजा कर सभी के हृदय को आह्लादित कर दिया,सी आर पी एफ के कमांडेंट श्री अनिल कुमार बृक्ष ने कहा यह

पर्व हम सभी देश वासियों के लिए उत्कृष्ट प्रकाश पर्व है हम सभी को मिलकर सहयोग कर एकता की भावना से देश को प्रकाशित करें। गंगा हरितिमा अभियान के ब्रांड अंबेसेडर अनिल कुमार सिंह ने सभी काशी वासियों से अपील किया कि इस प्रकाश पर्व पर हम सभी पर्यावरण संरक्षण जल संरक्षण करते हुए काशी को प्रकाशित कर ग्यान का प्रकाश भी जन जन तक पहुंचा जाय इसमें मुख्य रूप से डी डिओ विराणसी बीडिओ एडीओ पंचायत, निरीक्षक विजय कुमार तिवारी सहायक निरीक्षक राम भवन मिश्रण रामदास प्रदीप करकटा मुकेश कुमार टीपन्ना एवं पी आर ओ सी आरपीएफ प्रवीण सिंह ने अपने पूरी टीम के साथ मिलकर सहयोग किया। कार्यक्रम में सुश्री प्रतिभा चौरसिया ,नव नियुक्त खंड विकास अधिकारी, शैलेंद्र सिंह सहायक विकास अधिकारी सांख्यिकी हरहूआ आदि लोगों सहयोग किया।

संक्षिप्त खबरें

फर्जी कागजों के सहारे ठेका हथियाने वाला ठेकेदार गिरफ्तार

प्रखर जौनपुर। फर्जी एफडीआर के सहारे जिला पंचायत के कार्य का ठेका लेने वालों आरोपी ठीकेदार को लाइनबाजार पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से ठेकेदारो में हड़कंप मच गया है। जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी ने बीते 19 अक्टुबर को लाइनबाजार थाने में मुकदमा दर्ज कराया कि विभाग ठेकेदार रत्नाकर सिंह पुत्र स्व0 उमानाथ सिंह निवासी हैदरपुर सरायहरखू थाना बक्शा ने 2019-2020 में राज्य वित्त आयोग योजना के तहत कुछ कार्यो का टेण्डर कुटरचित दस्तावेज प्रस्तुत करके हासिल किया था तथा 13 लाख 70 हजार रुपए का फर्जी एफडीआर लगाकर प्राप्त किया था। पुलिस ने इस मामले में धारा 419,420,467,468,471 के तहत मुकदमा दर्ज करके आरोपी की तलास कर रही थी। मुखवीर की सूचना पर आज लाइनबाजार थाने के दारोगा सुरेश सिंह ने अपने हमराहियों के साथ नगर के अहमद खां मण्डी से गिरफ्तार कर लिया।

महिला ने फांसी लगाकर दी जान

प्रखर जौनपुर। थाना कोतवाली क्षेत्र के वाजिदपुर निवासी महिला ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी है। महिला की पहचान दीक्षा विश्वकर्मा पत्नी कालिका नंदन विश्वकर्मा उम्र 28 वर्ष के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है। महिला ने क्यों फांसी लगाया इसका सही कारण पता नहीं चल सका है।

एसपी तथा आबकारी विभाग के द्वारा अवैध शराब पर प्रभावी नियंत्रण करने के मद्देनजर आयोजित की गयी गोष्ठी

प्रखर संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर सत्यजीत गुप्ता द्वारा कार्यालय पुलिस अधीक्षक पर आज दिनांक 28.11.2023 को अवैध शराब के निर्माण, निष्कर्षण, बिक्री तथा परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए संलिप्त अभियुक्तों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित किये जाने के दृष्टिगत आबकारी विभाग के अधिकारियों व पुलिस क्षेत्राधिकारीगणों के साथ गोष्ठी कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। गोष्ठी के दौरान क्षेत्राधिकारी मेंहदावल अम्बरीष सिंह भदौरिया, क्षेत्राधिकारी धनघटा बृजेश सिंह आबकारी निरीक्षक विपिन कुमार यादव, आबकारी निरीक्षक राजकिशोर उपस्थित रहे।

शादी में देर रात तक तेज आवाज में बजा गाना

प्रखर जौनपुर। शहरी इलाके में बसे नईगंज मोहल्ले में मंगलवार की रात शादी में लगभग 2 बजे काफी तेज अवाज में गाना बजाया गया जिससे आसपास में रहने वालों की नींद में बाधा उत्पन्न हुई। तेज अवाज में गाना बजाने की सूचना स्थानीय थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मैरेज हॉल में पहुंच कर समय से ज्यादा समय तक गाना बजाने को लेकर फटकारते हुए तेज बज रहें गाने को बंद करवाया। मालूम हो कि सोमवार की रात लगभग 10 बजे मोहल्ला नईगंज में स्थित बरात आई हुई थी। 11 बजे तक थोड़ी देर के लिए गाना बंद करवा दिया गया। अचानक रात के लगभग 2 बजे फिर से तेज अवाज में गाना बजा दिया गया जिससे आस पास में रहने वालों की नींद खराब हो गई। पुलिस को सूचना देने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने अधिक समय तक तेज बज रहें गाने को बंद करवाया। वैसे तो शादी के अवसर पर रात 10 बजे के बाद गाना बजाने के परमिशन नहीं है।

प्रधान को गोली मारने के मामले में तीन पर मुकदमा दर्ज

प्रखर जौनपुर। थाना लाइनबाजार क्षेत्र ग्राम इस्मैला में बुलेट सवार तीन अज्ञात लोगों नें ग्राम प्रधान के पैर में गोली मार दी गई थी। जिसके सम्बन्ध में पुलिस ने तहरीर के आधार पर समुचित धारा में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। रविवार देर रात लगभग 12 बजे एक बुलेट पर सवार होकर तीन लोग प्रधान के घर पर आए। जिसमें एक बुलेट पर सवार होकर गाड़ी को चालू रखे हुए था। दो लोग नीचे आकर प्रधान से उनके घर के सदस्य राजकुमार यादव जो इस समय जिला पंचायत सदस्य हैं उनके बारे में पूछा तो प्रधान के न बताने पर एक ने तमंचा निकालकर उनके पैर में गोली मार दी। बुलेट सवार बदमाश ग्राम प्रधान को गोली मार देने के बाद हवा में कई राउंड फायरिंग करते हुए वहां से फरार हो गएं। घटना की जानकारी मिलते ही इंस्पेक्टर लाइन बाजार सहयोगी जवानों के साथ मौके पर पहुंच गए। गोली से घायल प्रधान को लगभग देर रात 12:30 बजे जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया। इस संबंध में अज्ञात लोगों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमों का गठन कर लगाया गया है।

दैनिक आरती सेवा समिति द्वारा दीप दान, व मां गंगा की आरती का भव्य आयोजन किया गया

प्रखर रामनगर वाराणसी। माँ गंगा दैनिक आरती सेवा समिति द्वारा रामनगर देव दीपावली पर बलुआ घाट पर हुआ भव्य गंगा आरती। देव दीपावलीके मौके दियों की रोशनी से सराबोर रही गंगा घाट से लगायत तालाब और पोखरे जगमग हुए।आतिशबाजी ने लोगों को आकर्षित किया।वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों ने भी लोगों को देर शाम तक बांधे रहा।रामनगर बलुआ घाट पर मां गंगा दैनिक आरती सेवा समिति द्वारा दीप दान, व मां गंगा की आरती का आयोजन किया गया।इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। बच्चों ने भक्ति संगीत पर आधारित नृत्य आदि प्रस्तुत किये।दूसरी ओर रामबाग पोखरे पर भव्य सजावट की गई थी।दीपों से सजी पोखरे की सीढ़ियों कार्यक्रम में गंगा दैनिक आरती के संस्थापक श्री नारायण द्विवेदी,संरक्षक सरदार कुलदीप सिंह, बलराम पांडेय मनोज सिंह अमित राय राकेश जायसवाल, राजेन्द्र गुप्ता,अमित राय, संचालन कुलदीप सिंह द्वारा किया गया।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं